RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 327 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 25-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 मंत्री किरोड़ी से जुड़े लोगों पर लगे आरोपों की हो निष्पक्ष जांच : डोटासरा

6 हादसों का मंज़र, व्यवस्था की लापरवाही

7 धीरे-धीरे वापसी की राह पर चल रही हूं : अलका याग्निक

## फर्स्ट टेक

### ईडी ने पीएमएलए मामले में कर्नाटक में कई स्थानों पर छापेमारी की

**बेंगलूरु/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कर्नाटक में पीएमएलए मामले में कई जगहों पर छापेमारी की, जिनमें कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली के बहनोई वाई. मंजूनाथ के परिसर भी शामिल थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई राज्य के आबकारी विभाग में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सुरक्षा टीम के साथ बेलगावी, बेंगलूरु और मैसूरु जिलों में लगभग 18 परिसरों में छापेमारी की गई।

### व्हाट्सऐप आधारित 'मन मित्र' ने मंदिरों के लिए 22.2 करोड़ रुपए जुटाये

**अमरावती/भाषा।** आंध्र प्रदेश सरकार के 'मन मित्र' व्हाट्सऐप शासन मंच ने बंदोबस्ती विभाग के तहत आने वाले 21 प्रमुख मंदिरों के लिए 22.2 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है, जो राज्य में डिजिटल सेवाओं के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है। व्हाट्सऐप के माध्यम से श्रद्धालुओं को मंदिर सेवाएं उपलब्ध कराने वाले इस डिजिटल मंच का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में दर्शन और सेवा टिकटों की लगभग 30 प्रतिशत बुकिंग इसी माध्यम से की जा रही है। बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''मन मित्र व्हाट्सऐप शासन मंदिर सेवाओं के लिए एक प्रमुख डिजिटल मंच बनकर उभरा है। इसने बंदोबस्ती विभाग के 21 प्रमुख मंदिरों के लिए 22.2 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है और श्रद्धालुओं को दर्शन एवं सेवा टिकट बुक करने तथा ऑनलाइन दान देने की सुविधा प्रदान की है।''

### पाकिस्तान में चरमपंथियों ने बालिका विद्यालय को विस्फोट कर उड़ाया

**पेशावर/भाषा।** पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात चरमपंथियों ने एक बालिका विद्यालय की इमारत को विस्फोट कर उड़ा दिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अफगानिस्तान की सीमा से सटे दक्षिण वजीरिस्तान जिले की बिरमल तहसील के सारा घोवारा इलाके में स्थित प्राथमिक विद्यालय को मंगलवार देर रात डायनामाइट का इस्तेमाल करके नष्ट कर दिया गया। पुलिस और स्थानीय निवासियों के अनुसार, हाल के महीनों में निचले दक्षिणी वजीरिस्तान में शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाकर किए जाने वाले हमलों में बढ़ोतरी हुई है।

सूर्यास्त 25-06-2026 6:38 बजे | सूर्योदय 26-06-2026 5:44 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 76,991.22 | 24,021.65 |
| (+790.54) | (+197.55) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 14,861 रु. | 234,000 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

## नियुक्ति पत्र

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को 401 लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिनमें से 383 सहायक अभियंता (विद्युत) टीएनपीएससी के माध्यम से चयनित हुए हैं। इनमें तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (टीएनपीएससी) में नियुक्त 18 सहायक लेखा अधिकारी भी शामिल थे। ऊर्जा विभाग की ओर से यहां कलैवाणर अरंगम में आयोजित एक कार्यक्रम में ये नियुक्ति पत्र सौंपे गए। एक अनोखी पहल के तहत मुख्यमंत्री मंच से नीचे उतरकर गर्भवती महिला आर. अक्षयलक्ष्मी के पास गये और उन्हें व्यक्तिगत रूप से उनकी नियुक्ति का पत्र सौंपा। हाल में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक के दौरान यह बताया गया कि बिजली बोर्ड में व्याप्त समस्याओं के कारणों में से एक विभिन्न स्तरों पर 70,000 से अधिक पदों की रिक्ति थी। मुख्यमंत्री ने बाद में एक वर्ष के भीतर कम से कम 15,000 पदों को भरने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए, जिसका उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार सृजित करना और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

### प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल मंचों के दुरुपयोग पर चिंता जताई

# लोगों को विभागो के चक्कर काटने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए : मोदी

- प्रधानमंत्री ने चार राज्यों में सड़क, बिजली, औद्योगिक गलियारे और मेट्रो रेल क्षेत्रों से जुड़ी करीब 30,000 करोड़ रुपए की लागत वाली चार महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी समीक्षा की।
- प्रधानमंत्री ने स्पष्ट जिम्मेदारी, त्वरित प्रतिक्रिया, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, बैंकों व डिजिटल मंचों के बीच बेहतर समन्वय और बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल मंचों के जरिए लोगों से धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर बुधवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसे मामलों में सभी संबंधित एजेंसियों को समन्वित, संवेदनशील और समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करनी चाहिए। मोदी ने ये टिप्पणियां साइबर अपराध और 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए होने वाली धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा के दौरान कीं।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, उन्होंने चार राज्यों में सड़क, बिजली, औद्योगिक गलियारे और मेट्रो रेल क्षेत्रों से जुड़ी करीब 30,000 करोड़ रुपए की लागत वाली चार महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी समीक्षा की।

प्रधानमंत्री ने यह समीक्षा 'प्रगति' की 52वीं बैठक में की। प्रगति एक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) आधारित बहु-आयामी मंच है, जिसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को एक साथ जोड़कर सक्रिय शासन व योजनाओं को समय पर लागू करना है।

साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए मोदी ने कहा कि लोगों को एक विभाग या एजेंसी से दूसरे विभाग के चक्कर काटने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट जिम्मेदारी, त्वरित प्रतिक्रिया, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, बैंकों व डिजिटल मंचों के बीच बेहतर समन्वय और बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में वित्तीय नुकसान को रोकने और जनता का भरोसा बहाल करने के लिए समय पर की गई कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने सभी हितधारकों से रोकथाम, जानकारी प्रदान करने, जांच और शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों को साइबर धोखाधड़ी के मामलों में तेजी से मामला दर्ज करने और त्वरित कार्रवाई के लिए 'ई-जीरो एफआईआर' तंत्र को सक्षम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

बयान के अनुसार, आर्थिक विकास, क्षेत्रीय संपर्क, औद्योगिक विकास और जन कल्याण के लिए महत्वपूर्ण इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा समय-सीमा, अंतर-एजेंसी समन्वय, मुद्दों के समाधान और समय पर काम पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए की गई।

## पाकिस्तानी वायुक्षेत्र में दाखिल हुआ एअर इंडिया का विमान

### एटीसी, चालक दल पर कार्रवाई

**नई दिल्ली/भाषा।** एअर इंडिया का एक विमान सोमवार रात राष्ट्रीय राजधानी से उड़ान भरने के बाद अमृतसर हवाई अड्डे पर 'गो-अराउंड' (उतरने से पहले आसमान में चक्कर लगाने का निर्देश) की प्रक्रिया के दौरान पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में दाखिल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि अमृतसर में वायु यातायात नियंत्रक और विमानन कंपनी के उक्त विमान को संचालित कर रहे चालक दल के सदस्यों के खिलाफ अंतरिम कार्रवाई की गई है, क्योंकि उन्होंने घटना की जानकारी नहीं दी। एअर इंडिया ने बुधवार को एक बयान में कहा कि घटना की जानकारी डीजीसीए को दे दी गई है और इसकी आंतरिक जांच की जा रही है। डीजीसीए ने एक बयान में कहा कि 'रडार वेक्टरिंग' के आधार पर 'गो-अराउंड' की प्रक्रिया शुरू करने के बाद विमान कुछ देर के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में चला गया था।

## दूरसंचार क्षेत्र में नई मंजूरी आधारित व्यवस्था लागू, सरकार ने जारी किए नियम

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र में पुरानी लाइसेंस व्यवस्था को समाप्त कर उसकी जगह एक नई 'मंजूरी आधारित रूपरेखा' को लागू करने वाले नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 'टेलीकॉम ई-सर्विसेज पोर्टल' को भी अधिसूचित किया है, जो दूरसंचार अधिनियम के प्रावधानों को डिजिटल रूप से लागू करने में सक्षम बनाएगा। दूरसंचार अधिनियम के तहत अधिसूचित नियमों में 'दूरसंचार (मुख्य दूरसंचार सेवाओं के प्रावधान के लिए मंजूरी) नियम, 2025' शामिल हैं। ये नियम दूरसंचार कंपनियों को पुरानी लाइसेंस व्यवस्था से नए मंजूरी आधारित ढांचे में स्थानांतरित करते हैं। दूरसंचार विभाग की अधिसूचना के अनुसार, इस नए ढांचे से जुड़े नियमों का मसौदा पांच सितंबर, 2025 को प्रकाशित किया गया था और हितधारकों से सुझाव मांगे गए थे। इस अवधि में प्राप्त टिप्पणियों और सुझावों पर केंद्र सरकार ने विचार करने के बाद इन्हें अंतिम रूप दिया है।

नए नियमों के तहत कोई भी पात्र इकाई दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकार के पास आवेदन कर सकती है।

### शिवराज के बेटे से जुड़े

## मानहानि प्रकरण में राहुल गांधी ने लिखित में खेद जताया

**जबलपुर/भाषा।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे से जुड़े मानहानि के एक मामले में बुधवार को जबलपुर उच्च न्यायालय में लिखित में अपने बयान पर खेद व्यक्त किया। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने गांधी के खेद संबंधी आवेदन पर बृहस्पतिवार को सुनवाई निर्धारित की है। मामला मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की ओर से दायर मानहानि वाद से जुड़ा हुआ है। याचिका पर बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान गांधी ने अपने बयान पर खेद व्यक्त किया।

# कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पुत्र प्रियंक खरगे पर जमीन हड़पने का आरोप

- भाजपा ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके पुत्र प्रियंक खरगे ने ''सत्ता और प्रभाव'' का दुरुपयोग करके कर्नाटक के विभिन्न स्थानों पर जमीनों पर कब्जा किया है।

भाजपा ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि खरगे और कर्नाटक सरकार में मंत्री उनके पुत्र अपने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिये कांग्रेस शासित राज्य में ''भूमि लूट'' में शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''उनकी कार्यप्रणाली रॉबर्ट वाड्रा और राहुल गांधी के परिवार से प्रेरित है।''

प्रियंक खरगे ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा ''आरएसएस को खुश करने के लिए'' बहुत कोशिश कर रही है।

कर्नाटक के गृह मंत्री ने भाजपा से पूछा, ''कर्नाटक में आपके पांच भाजपा मुख्यमंत्री रहे हैं। उनमें से किसी ने भी कार्रवाई क्यों नहीं की? मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से सत्ता में है। अगर कोई गड़बड़ी हुई थी, तो मैं अभी भी आजाद क्यों घूम रहा हूं और जेल में क्यों नहीं हूं?'' उन्होंने कहा, ''मेरे दस्तावेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं और मैं किसी भी मंच पर इस पर चर्चा करने के लिए तैयार हूं।''

खरगे और उनके पुत्र पर भाजपा का यह आरोप तब सामने आया है जब एक दिन पहले कांग्रेस ने सवाल उठाया था कि केंद्रीय जांच एजेंसियां मध्य प्रदेश में कथित भूमि घोटाले में शामिल लोगों की जांच क्यों नहीं कर रही हैं। कांग्रेस ने उन खबरों का हवाला देते हुए यह सवाल उठाया था जिनमें मुख्यमंत्री मोहन यादव के परिवार के सदस्यों की संलिप्तता का दावा किया गया था।

भाजपा ने यादव के खिलाफ लगाए गए आरोपों को ''बेबुनियाद'' बताया था।

भंडारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु में सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए 100 करोड़ रुपए मूल्य की पांच एकड़ जमीन आवंटित की, जबकि उस ट्रस्ट के पास इस तरह के कार्य का कोई पूर्व अनुभव नहीं था।

## नीरव मोदी को बैंक ऑफ इंडिया को 1.15 करोड़ डॉलर चुकाने होंगे : ब्रिटेन की अदालत

**लंदन/भाषा।** लंदन के उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बैंक ऑफ इंडिया को 1.15 करोड़ डॉलर से ज़्यादा की रकम चुकानी होगी। इस रकम में निजी कर्ज की गारंटी पर लगने वाला ब्याज भी शामिल है। नीरव (55) ने उस व्यक्तिगत गारंटी की वैधता पर सवाल उठाया था, जो दुबई में पंजीकृत फायरस्टार डायमंड एफजेडई नामक उसकी संबद्ध कंपनी को दिए गए ऋण से जुड़ी थी। जेल में बंद नीरव दो अरब अमेरिकी डॉलर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी और धन शोधन मामले में भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ मुकदमा लड़ रहा है। मंगलवार को लंदन सर्किट कमर्शियल कोर्ट में सुनाए गए फैसले में न्यायमूर्ति साइमन टिंकलर ने बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में निर्णय दिया। यह फैसला एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आया, जो ब्रिटेन जेल सेवा के भीतर दस्तावेजों के स्थानांतरण में हुई देरी के कारण जटिल हो गई थी।

# पाकिस्तान के एक आतंकी संगठन के साथ संबंध रखने के संदेह में कर्नाटक में एक व्यक्ति गिरफ्तार

**दावणगेरे।** पाकिस्तान के एक आतंकवादी संगठन से संबंध रखने के संदेह में एक व्यक्ति को कर्नाटक के दावणगेरे ज़िले में गिरफ़्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी सुहेल (20) हाल में अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश से दावणगेरे के हरिहर तालुक आया था, जहां वह पेंटर का काम कर रहा था। उसने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से प्राप्त जानकारी के आधार पर मंगलवार को खुफिया अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान में सुहेल को पकड़ा गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इस संबंध में ज्यादा खुलासा न करते हुए सिर्फ इतना कहा, ''हमने आरोपी को पकड़ लिया और उसे संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दिया।'' पुलिस के अनुसार सुहेल के व्हाट्सअप अकाउंट पर आतंकवाद से संबंधित संदिग्ध सामग्री मिली और कथित तौर पर वह पाकिस्तान में मौजूद कई लोगों के संपर्क में था। इस गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले ही चार जून को तुमकुरु और दावणगेरे ज़िलों से दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया था। दोनों पर आरोप है कि वे सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान में रहने वाले एक व्यक्ति के संपर्क में थे और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के ख़िलाफ़ गतिविधियों की साज़िश रच रहे थे।

### मुंबई की लोकल ट्रेन में

# दरवाजे खुले रखने को लेकर हुए विवाद में व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** मुंबई की एक लोकल ट्रेन में बारिश के दौरान दरवाजे खुले रखने को लेकर हुए विवाद के बाद 22 वर्षीय एक युवक की उसके सह-यात्री ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। इस साल लोकल ट्रेनों में चाकूबाजी की यह दूसरी घटना है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान बाद में सचिन रमेश सुवर्णा (30) के रूप में हुई, जिसे करीब 400 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने और बड़े पैमाने पर चलाए गए तलाश अभियान के बाद कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित मयंक लोहार पर सुवर्णा ने मंगलवार को पश्चिमी उपनगर के अंधेरी और बोरीवली रेलवे स्टेशनों के बीच एक प्रथम श्रेणी के डिब्बे के भीतर जानलेवा हमला किया था। इसी दिन शहर में मानसून ने भी दस्तक दी थी। अधिकारियों ने बताया कि चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल ट्रेन रात 10:42 बजे जब अंधेरी स्टेशन पर पहुंची, तभी लोहार और सुवर्णा के बीच तीखी बहस शुरू हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल ट्रेन रात 10:42 बजे जब अंधेरी स्टेशन पर पहुंची, तो लोहार और एक अन्य यात्री के बीच बहस हो गई। उन्होंने बताया कि उनमें से एक चाहता था कि दरवाजे खुले रखे जाएं, जबकि दूसरे ने बारिश का हवाला देते हुए इसपर आपत्ति जताई।

अधिकारियों के मुताबिक, बहस के दौरान आरोपी ने एक धारदार हथियार निकाला और लोहार के पेट में घोंप दिया। इस हमले में लोहार गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बोरिवली स्टेशन पर ट्रेन के रुकने से पहले ही आरोपी उससे कूदकर भाग गया।

उन्होंने बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षाबल (आरपीएफ) के कर्मियों की मदद से लोहार को एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

## ईरान के परमाणु स्थलों का निरीक्षण होगा, यह होकर रहेगा : ग्रॉसी

**टोक्यो/एपी।** अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी ने बुधवार को संकेत दिया कि एजेंसी के निरीक्षक ईरान के परमाणु संवर्धन स्थलों का दौरा करेंगे जो युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते का एक मुख्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ग्रॉसी ने टोक्यो में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

पिछले साल इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद से तेहरान ने आईएईए निरीक्षकों की परमाणु स्थलों तक पहुंच सीमित कर दी थी। माना जाता है कि इन स्थलों पर ईरान ने इतना अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम जमा कर रखा है कि उससे लगभग 10 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं। हालांकि, ईरान लगातार यह दावा करता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

## उत्तर कोरिया की नौसेना में 5,000 टन वजनी नए युद्धपोत शामिल : किम का दावा

**सियोल/एपी।** उत्तर कोरिया ने 5,000 टन वजन वाला एक विध्वंसक युद्धपोत अपनी नौसेना में शामिल किया है और देश के नेता किम जोंग उन ने इसे देश की बढ़ती नौसैनिक और परमाणु क्षमताओं का प्रतीक बताया है। सरकारी मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई।

उत्तर कोरिया की 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' की खबर के अनुसार किम ने मंगलवार को पश्चिमी बंदरगाह नाम्पो में आयोजित एक समारोह में कहा कि 'चोए ह्योन' जैसे युद्धपोत यह दिखाते हैं कि उनकी नौसेना का परमाणु सशक्तीकरण योजना के मुताबिक हो रहा है।

केसीएनए की खबर के अनुसार, समारोह के बाद चोए ह्योन को औपचारिक रूप से उत्तर कोरिया की नौसेना में सेवा के लिए तैनात कर दिया गया और इसे देश के पश्चिमी तट की रक्षा करने का जिम्मा सौंपा जाएगा।

अप्रैल 2025 में इस जहाज को पहली बार दुनिया के सामने लाने के बाद से ही, किम इसे अपनी सेना की परिचालन पहुंच और पहले हमला करने की क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताते रहे हैं।

# भारत-अमेरिका ने की व्यापार समझौते पर प्रगति की समीक्षा, अंतरिम करार को लेकर चीजें अभी साफ नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत और अमेरिका ने दो दिवसीय मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हुई प्रगति की समीक्षा की और बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार तथा गैर-शुल्क बाधाओं जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, अगले महीने समाप्त हो रही एक महत्वपूर्ण शुल्क समयसीमा से पहले सभी मतभेद सुलझने का कोई संकेत नहीं मिला है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर वार्ता की, जिसे दोनों पक्ष इस वर्ष की शुरुआत में बनी रूपरेखा के बाद से आगे बढ़ा रहे हैं।

वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को वार्ता समाप्त होने पर जारी बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख तत्वों की व्यापक समीक्षा की, जिनमें बेहतर बाजार पहुंच, डिजिटल व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, गैर-शुल्क बाधाओं में कमी और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के मार्गों पर चर्चा की और इस बात की पुष्टि की कि वे एक ऐसे समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं जो 'संतुलित और व्यावसायिक रूप से सार्थक हो।

ग्रीर की 22 से 24 जून की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश 24 जुलाई को समाप्त हो रहे अस्थायी 10 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क ढांचे से पहले अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, बयान में कहा गया कि महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन दोनों पक्षों ने यह नहीं बताया कि लंबित मुद्दों को सुलझा लिया गया है या नहीं। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह यात्रा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को संतुलित और दोनों देशों के लिए लाभकारी स्वरूप देने तथा सात फरवरी, 2026 के संयुक्त बयान के अनुरूप अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बयान के अनुसार, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के बीच कई दौर की वार्ता हुई, जिसमें बाजार पहुंच बढ़ाने, डिजिटल व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, गैर-शुल्कीय बाधाओं को कम करने और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने जैसे मुद्दों पर व्यापक समीक्षा की गई। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी सहमति जताई कि व्यापार समझौता संतुलित, व्यावसायिक दृष्टि से सार्थक और दोनों देशों के कारोबारियों, किसानों, श्रमिकों तथा उपभोक्ताओं के लिए ठोस लाभ पहुंचाने वाला होना चाहिए।

मंत्रालय ने कहा कि बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बीच भारत-अमेरिका आर्थिक साझेदारी के बढ़ते महत्व को देखते हुए दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और विश्वसनीय एवं मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

# क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी मामले में पांच दिन के भीतर 'अस्थायी' तौर पर राशि वापस करें बैंक : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को कहा कि क्रेडिट कार्ड के जरिये धोखाधड़ी वाले इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन के बारे में ग्राहक से शिकायत मिलने की तारीख से पांच दिन के भीतर 'शैडो रिवर्सल' यानी विवादित रकम अस्थायी रूप से खाते में अंतरित कर देना चाहिए।

आरबीआई ने डिजिटल लेनदेन में ग्राहकों की जवाबदेही को सीमित करने के लिए संशोधित नियम जारी कर यह व्यवस्था दी है।

बैंकों में 'शैडो रिवर्सल' का मतलब रकम की अस्थायी वापसी से है। इससे संबंधित ग्राहकों को तुरंत आर्थिक राहत मिलती है, हालांकि जांच पूरी होने तक आम तौर पर इन पैसों को निकाला नहीं जा सकता है।

संशोधित नियमों के अनुसार, बैंक को अपनी प्रणाली ऐसी बनानी चाहिए जिनसे ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन (ईबीटी) करने में सुरक्षित महसूस करें। ग्राहकों द्वारा किए जाने वाले ईबीटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली और प्रक्रियाएं लागू करनी चाहिए।

आरबीआई ने कहा, ''बैंक को 500 रुपये से अधिक मूल्य के सभी ईबीटी के लिए अपने ग्राहकों को तुरंत एसएमएस अलर्ट भेजना अनिवार्य होगा। 500 रुपये तक के मूल्य वाले ईबीटी के लिए, बैंक अपनी आंतरिक नीति के अनुसार तुरंत एसएमएस भेजने का फैसला कर सकता है, लेकिन ग्राहक से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।''

ये नियम एक जनवरी, 2027 से लागू होंगे।

साथ ही, संदेश भेजने और जवाब पाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक की संचार प्रणाली को संदेश की डिलिवरी और ग्राहक के जवाब (यदि कोई हो) मिलने की तारीख और समय रिकॉर्ड करना होगा।

आरबीआई ने कहा कि ग्राहक से किसी धोखाधड़ी वाले ईबीटी के बारे में शिकायत मिलने पर, बैंक को ग्राहक के खाते में आगे और अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए।

इसमें कहा गया, ''अगर बैंक की लापरवाही या कमी के कारण धोखाधड़ी वाला ईबीटी होता है, तो ग्राहक की जवाबदेही शून्य होगी और लेनदेन से जुड़ी पूरी राशि वापस की जाएगी। भले ही ग्राहक ने लेनदेन की रिपोर्ट की हो या नहीं।''

आरबीआई ने कहा कि तीसरे पक्ष की सेंधमारी के मामलों में, अगर ग्राहक अनधिकृत धोखाधड़ी वाले ईबीटी की रिपोर्ट घटना के पांच दिन के भीतर बैंक को करता है, तो उस पर कोई जवाबदेही नहीं होगी और पूरी राशि पाने का हकदार होगा।

पांच दिन के बाद बैंक को रिपोर्ट किए गए तीसरे पक्ष की सेंधमरी के मामलों में, ग्राहक की जवाबदेही बैंक की नीति के अनुसार तय की जाएगी।

# आरबीआई 'देखो और इंतजार करो' की स्थिति में, रेपो दर बढ़ाने पर चर्चा अभी जल्दबाजी : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि केंद्रीय बैंक पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर रख रहा है और इस समय नीतिगत ब्याज दर में वृद्धि के बारे में बातचीत करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने समाचार चैनल 'ईटी नाउ' से कहा, ''अगर हम सही में उन्हें (बाजार) नीतिगत दर बढ़ाने के लिए तैयार करना चाहते, तो हमें अपना रुख बदलना होगा...। अगर यह पक्का होता कि हम आने वाले महीनों में दर बढ़ाने वाले हैं, तो हम अपना 'तटस्थ' रुख को बदलकर 'सख्त' कर लेते? लेकिन हमने ऐसा नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, मुझे लगता है कि नीतिगत दर बढ़ाने के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। हमने बस इतना कहा है कि हम सतर्क हैं। हमें पता है कि महंगाई और वृद्धि, दोनों के मामले में जोखिम हो सकते हैं। खासकर महंगाई पर, क्योंकि यह ऊपरी सीमा के करीब पहुंच रही है...। हम सतर्क हैं और आंकड़ों पर नजर रखेंगे।''

उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में, आरबीआई ने पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी संघर्ष, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण वृद्धि और महंगाई पर बढ़ते जोखिमों के बीच अपनी नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। मौद्रिक नीति समिति ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने और 'तटस्थ' रुख को कायम रखने का निर्णय किया।

केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को कम किया है और 2026-27 में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो अप्रैल के 6.9 प्रतिशत के अनुमान से कम है। यह अनुमान 2025-26 के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत से भी कम है। आरबीआई ने 2026-27 के लिए महंगाई बढ़कर 5.1 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया है जो पहले के 4.6 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। मल्होत्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव में कमी पूरी दुनिया और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक बात है। यह वृद्धि और महंगाई, दोनों के लिए अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें कम हुई हैं और यूरिया की कीमतें भी काफी घटी हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को राहत मिली है।

मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और सरकार और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने मिलकर ऊर्जा के दाम में तेजी के असर को काफी हद तक कम किया। सभी महत्वपूर्ण आंकड़ें (जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, ई-वे बिल, पीएमआई आदि) यह दिखाते हैं कि भारत ने बहुत अनिश्चित समय में भी इस झटके का अच्छी तरह से सामना किया है।

## विदेश यात्रा पर जाना मौलिक अधिकार : दिल्ली की अदालत

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की एक अदालत ने धनशोधन की आरोपी एक महिला को बच्चों के साथ गर्मियों की छुट्टियों में थाईलैंड की यात्रा पर जाने की अनुमति देते हुए टिप्पणी की कि विदेश यात्रा करना मौलिक अधिकारों का एक अहम हिस्सा है। अवकाशकालीन अदालत के न्यायाधीश राजेश मलिक ने रीना गोयल नामक महिला की अर्जी पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। करोड़ों रुपये की बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में गोयल आरोपी हैं। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 'श्री राज महल ज्वैलर्स' समूह से जुड़ी कंपनी के दिल्ली के करोल बाग बाजार स्थित दुकानों को कुर्क किया है।

प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, ये संपत्तियां गिन्नी गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक-सह-प्रवर्तक गिन्नी देवी और रीना गोयल की थीं। गोयल को दिसंबर 2025 में सशर्त जमानत मिली थी, जिसमें अदालत की बिना अनुमति विदेश जाने पर रोक थी, लेकिन वह 25 जून से दो जुलाई तक बच्चों की गर्मियों की छुट्टियों के लिए थाईलैंड जाना चाहती थीं। अदालत ने 19 जुलाई को पारित आदेश में कहा कि उसे आरोपी के विदेश यात्रा करने के अधिकार और ऐसी अनुमति न देने के आधारों के बीच संतुलन बनाना होगा। फैसले में कहा गया, ''इनकार करने का मुख्य व सबसे ठोस आधार यह विश्वसनीय आशंका हो सकती है कि वह कानून के शिकंजे से बचकर भाग जाएगी। ऐसी आशंका या तो सबूतों से दिखाई जा सकती है या फिर अन्य तथ्यों से निष्कर्ष निकालकर इसका पता लगाया जा सकता है।'' हालांकि, इसमें कहा है कि ईडी ने ऐसा कोई सबूत या तथ्य पेश नहीं किया है, जिससे यह पता चले कि वह कानून से बचकर भाग सकती है। न्यायाधीश ने कहा कि ऐसा नहीं है कि याचिकाकर्ता विदेश में बसने के लिए दूसरे देशों में निवेश कर रही है। सिर्फ़ आरोपी होने के आधार पर उन्हें विदेश यात्रा करने से नहीं रोका जा सकता।

## अदाणी समूह का 2035 तक 10 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य

**नई दिल्ली/भाषा।** अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि समूह ने 2035 तक 10 गीगावाट (जीडब्ल्यू) परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित करने की योजना बनाई है। इसके साथ ही समूह ने तापीय, नवीकरणीय, जल, गैस और पारेषण परिसंपत्तियों के साथ एकीकृत ऊर्जा मंच का विस्तार करते हुए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रवेश किया है। समूह की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए अदाणी ने कहा कि परमाणु परियोजना 'अदाणी एटॉमिक एनर्जी' के लिए भूमि की पहचान कर ली गई है। यह पहल बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और बिजली की मांग के बीच भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा, '' अदाणी एटॉमिक एनर्जी के माध्यम से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में हमारा प्रवेश भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 2035 तक 10 गीगावाट क्षमता के लक्ष्य के साथ हम स्वच्छ और चौबीसों घंटे उपलब्ध बिजली की बढ़ती राष्ट्रीय मांग को पूरा करने के लिए अग्रिम तैयारी कर रहे हैं।''

# 'भीम पेमेंट्स ऐप के जरिये लेनदेन की मात्रा एक साल में तीन गुना हुई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** ऑनलाइन भुगतान मंच भीम पेमेंट्स ऐप के जरिये लेनदेन की मात्रा जून 2025 से मई 2026 के बीच तीन गुना से अधिक हो गई। एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड ने यह जानकारी दी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) द्वारा विकसित इस ऑनलाइन भुगतान मंच पर मासिक लेनदेन जून 2025 के 7.96 करोड़ से बढ़कर मई 2026 में 24.4 करोड़ हो गया।

विज्ञप्ति में कहा गया कि मई 2026 में इस मंच पर कुल 26,952 करोड़ रुपये के लेनदेन हुए।

तेलंगाना में भी वृद्धि राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप तीन गुना रही।

राज्य में मई में इस मंच पर व्यावसायिक लेनदेन में किराना की हिस्सेदारी 23.9 प्रतिशत रही। इसके बाद भोजनालयों की हिस्सेदारी 18.1 प्रतिशत और त्वरित वाणिज्य (क्विक कॉमर्स) की 11.6 प्रतिशत रही।

एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ललिता नटराज ने कहा कि तेलंगाना में भीम पेमेंट्स ऐप की मजबूत वृद्धि रोजमर्रा में डिजिटल भुगतान के बढ़ते एकीकरण को दर्शाती है। उन्होंने कहा, '' सबसे उत्साहजनक बात यह है कि यह वृद्धि किराना, भोजनालयों और त्वरित वाणिज्य जैसी श्रेणियों में होने वाले लेनदेन से संचालित हो रही है। यह दर्शाता है कि रोजमर्रा के खर्चों के लिए डिजिटल भुगतान का तेजी से इस्तेमाल बढ़ रहा है।''

# पुणे की बहुराष्ट्रीय कंपनी में 'यौन उत्पीड़न' की जांच के आदेश : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि पुणे ज़िले में स्थित स्पेन की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कथित यौन उत्पीड़न के मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। वह विधान परिषद में सवालों का जवाब दे रहे थे।

शिवसेना की सदस्य मनीषा कायंदे ने कहा कि कंपनी की महिला कर्मचारी को यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने के तुरंत बाद नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने स्पेन की कंपनी के ख़िलाफ़ कार्रवाई की मांग की। फडणवीस ने कहा कि एक वरिष्ठ अधिकारी 15 दिन के भीतर इस मामले की जांच करेगा और दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति तथा कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला के साथ किसी भी स्थिति में कोई अन्याय नहीं होगा। कायंदे ने यह भी आरोप लगाया कि सोलापुर के सरकारी आईटीआई में उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन की शिकायतें हैं। फडणवीस ने कहा कि तुरंत जांच के आदेश दिए जाएंगे और कार्रवाई की जाएगी। भाजपा की चित्रा वाघ ने आईटी कंपनी टीसीएस की नासिक इकाई में कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण का मुद्दा उठाया, जिसकी जांच पहले से ही एसआईटी कर रही है।

## मान वीडियो विवाद मामले में फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट तैयार कराने की साजिश रची गयी : भाजपा

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी (आप) पर आरोप लगाया कि उन्होंने एक विवादित वीडियो मामले में अकाल तख्त के निष्कर्षों को गलत साबित करने के लिए एक फर्जी फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार कराने की साजिश रची।

भाजपा ने मान और इस मामले में कथित रूप से शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की।

दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पंजाब पुलिस के अधिकारियों और एक निजी फॉरेंसिक प्रयोगशाला से जुड़े लोगों ने वीडियो को फर्जी घोषित किये जाने के वास्ते एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए साठगांठ की ताकि अकाल तख्त के प्राधिकार को कमजोर किया जा सके। हरियाणा पुलिस ने एक व्यक्ति की शिकायत पर मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज करके दो लोगों को गिरफ्तार किया था। शिकायत में व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री से संबंधित विवाद से जुड़े वायरल वीडियो की फर्जी फोरेंसिक रिपोर्ट की व्यवस्था कराने के लिए उससे संपर्क किया गया था।

# पार्टी निर्देशों का पालन नहीं करने पर नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चेतावनी दी कि यदि एसआईआर अभियान के क्रियान्वयन के दौरान कोई नेता पार्टी के निर्देशों का पालन नहीं करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पार्टी नेताओं के साथ आयोजित ज़ूम बैठक में भाग लेते हुए मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों को चुनावी प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। यह निर्देश मतदाता सूची से वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की संभावित शिकायतों को देखते हुए दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा, एसआईआर का मुद्दा बेहद गंभीर है। कुछ नेता एसआईआर को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब पार्टी को नुकसान हो रहा हो, तब वह मूकदर्शक बनकर नहीं बैठे रहेंगे। उन्हें एसआईआर जागरूकता बैठकों को लेकर जिला-वार रिपोर्ट पहले ही प्राप्त हो चुकी हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नेताओं को एसआईआर को लेकर अधिक से अधिक जागरूकता बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए और इन बैठकों को सफल बनाने के लिए प्रभारी मंत्रियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपीं।

## विदेशी लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड पेश करने में नाकाम रहा राजेश एक्सपोर्ट्स : ईडी

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को आरोप लगाया कि स्वर्ण शोधन और आभूषण निर्माण कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के प्रमुख कारोबारी संकेतकों में सामान्य व्यावसायिक प्रथाओं से ''महत्वपूर्ण'' विचलन पाया गया है। ईडी ने कहा कि इसके साथ ही विदेशी लेनदेन से संबंधित अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए।

केंद्रीय एजेंसी ने 23 जून को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन के मामले में बेंगलुरु की कंपनी और उससे जुड़े व्यक्तियों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद यह बयान जारी किया। ईडी ने कहा कि उसने राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (आरईएल) के खिलाफ कम से कम पांच मुद्दों की पहचान की है और छापेमारी के दौरान ''अभियोजन का समर्थन करने वाले दस्तावेज'' तथा डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं।

कंपनी ने ईडी की कार्रवाई को लेकर 'पीटीआई-भाषा' के सवालों का अभी तक जवाब नहीं दिया है। शेयर बाजारों ने भी कंपनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। कंपनी के संस्थापक एवं अध्यक्ष राजेश मेहता ने हाल ही में 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में धन की हेराफेरी या किसी भी प्रकार की अनियमितता से इनकार किया था।

## मुजफ्फरनगर में मजूदरों के साथ अमानवीय व्यवहार धराशायी अर्थव्यवस्था का परिचायकः राहुल

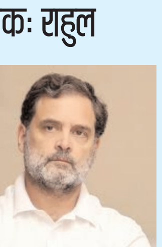

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में कई मजदूरों को बंधक बनाकर उनके साथ अमानवीय व्यवहार किए जाने की निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि यह कोई आम आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि एक ''धराशायी हुई अर्थव्यवस्था का मलबा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों को न्याय के साथ पुनर्वास और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

मुजफ्फरनगर जिले में प्रशासन और पुलिस की छापेमारी के बाद कागज की प्लेट बनाने वाली एक फैक्टरी से नाबालिगों समेत 12 बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया गया। इनके साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किया जाता था। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मुज़फ्फरनगर में मजदूरों की बंधुआ मजदूरी का मामला बेहद चौंकाने वाला है। बिना मज़दूरी दिए काम करवाने के अलावा, मजदूरों को कुत्तों से कटवाया गया, भाले से गोदा गया, कोड़े मारे गए, और उन्हें मवेशियों का चारा खिलाया गया। यह मानवीय गरिमा पर हमला है, पीड़ितों को न्याय के साथ पुनर्वास (किया जाना चाहिए) और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''साथ ही हमें यह भी पूछना ज़रूरी है कि मज़दूर ऐसी खतरनाक परिस्थितियों में किन मजबूरियों में फंस जाते हैं। जब रोज़गार ख़त्म हो जाते हैं, आमदनी ठहर जाती है, और सबसे कमज़ोर वर्गों के लिए बने मनरेगा और श्रम कानूनों जैसी सुरक्षाएं कमज़ोर कर दी जाती हैं, तो हताशा बढ़ती जाती है।''

# केंद्रीय मंत्री बिट्टू अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष पेश हुए, 'जातिसूचक' टिप्पणी के लिए माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू बुधवार को पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष पेश हुए और मई में पुलिस अधिकारियों के साथ हुई तीखी बहस के दौरान की गई अपनी कथित जातिसूचक टिप्पणियों के लिए माफीनामा सौंपा। बिट्टू ने पूर्व में, अपनी ''जातिसूचक'' टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी।

आयोग ने मंत्री से कहा था कि वह मामले में अपना पक्ष रखने के लिए उसके समक्ष पेश हों। बिट्टू इससे पहले दो बार आयोग के समक्ष पेश नहीं हो सके थे। बुधवार को आयोग के समक्ष पेश होने के दौरान, बिट्टू ने 26 मई को धुरी में हुई घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि एक मंत्री होने के नाते उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। उन्होंने आयोग को बताया कि अपनी टिप्पणी के लिए वह पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुके हैं।

बिट्टू ने कहा कि वह अनुसूचित जाति समुदाय का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और गैर इरादतन कहे गए शब्दों को लेकर गहरा खेद व्यक्त करते हैं। आयोग को सौंपे गए अपने माफीनामे में मंत्री ने स्वीकार किया कि उन्होंने जिन शब्दों का उपयोग किया, कानूनन वे गलत थे। सुनवाई के दौरान, बिट्टू ने अनुसूचित जाति समुदाय के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहल का भी जिक्र किया और बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के दौरान सरकार ने डॉ भीम राव आंबेडकर से जुड़ी पांच अहम जगहों को तीर्थ स्थल का दर्जा दिया। कार्यवाही के दौरान, आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने बिट्टू से कहा कि उन्हें मंत्री की टिप्पणी के संबंध में लोगों के कई फोन आए थे। माफीनामा स्वीकार करते हुए, आयोग ने केंद्रीय मंत्री को चार धार्मिक स्थलों - फिल्लौर में डेरा बाबा ब्रह्मदास, जालंधर में गुरु रविदास महाराज से जुड़े डेरा सचखंड बल्लान, भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल और अमृतसर में श्री दरबार साहिब में मत्था टेकने का आदेश दिया। आयोग ने उन सोशल मीडिया का संज्ञान लिया था जिनमें आरोप लगाया गया था कि बिट्टू ने धुरी के दौरे पर ''जातिसूचक'' शब्दों का इस्तेमाल किया था।

धुरी में 26 मई को बिट्टू की कुछ पुलिस अधिकारियों के साथ तीखी बहस हुई थी। वह भाजपा नेता ओंकार सिंह की रिहाई की मांग कर रहे थे, जिन्हें पुलिस ने नगर निकाय चुनावों के दौरान हिरासत में लिया था। प्रचार अभियान समाप्त होने के बाद, कथित तौर पर प्रचार करने को लेकर सिंह को हिरासत में लिया गया था।

मंत्री पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था।

## प्रेमी पर खौलता तेल डालकर हत्या करने के आरोप में महिला गिरफ्तार

**लातूर (महाराष्ट्र)/भाषा।** महाराष्ट्र के लातूर जिले में संपत्ति विवाद को लेकर अपने प्रेमी पर खौलता तेल डालकर उसकी हत्या करने के आरोप में बुधवार को 45 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) गजानन भातलवंडे ने बताया कि उदगीर तहसील के नवांडी गांव के निवासी उद्धव मारुति दहीकांबले (24) की घटना के दस दिन बाद 22 जून को यहां सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, यह घटना 12 जून की दोपहर उदगीर में उद्धव के किराए के मकान में हुई थी। पति से अलग रह रही विवाहित महिला वंदना मदाले ने कथित तौर पर उस पर खौलता तेल डाल दिया था।

# नवजातों के लिए सोने की अंगूठी योजना लागू करने के लिए प्रशासनिक इकाई बनायेगी तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

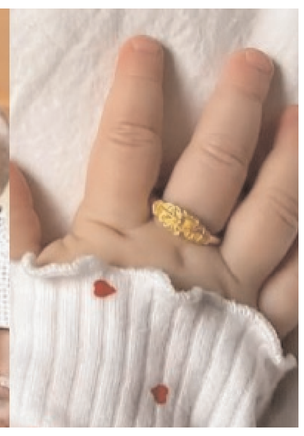

**चेन्नई।** तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा 15 सितंबर को शुरू की जाने वाली योजना थाइमामन थंगा मोथिरम थिट्टम' (नवजात शिशुओं के लिए एक ग्राम सोने की अंगूठी) के क्रियान्वयन, निगरानी और प्रबंधन के लिए सरकार एक राज्य परियोजना/कार्यक्रम 'प्रबंधन इकाई' बनाएगी।

राज्य के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले हर नवजात शिशु को सोने की अंगूठी मिलेगी जिसकी कीमत आज की दर से 13,600 रुपये होगी। यह अंगूठी परिवार में बच्चे के आने की खुशी में 'थाईमामन सीर' (मामा की तरफ से मिलने वाला उपहार) नामक सांस्कृतिक परंपरा के तहत नवजात का स्वागत करने और परिवार को आशीर्वाद देने के लिए दी जाएगी।

सरकार के एक आदेश में कहा गया है, ''इस योजना के जरिए सरकार अपने संस्थानों में पैदा होने वाले हर बच्चे के लिए ''मामा'' की भूमिका निभायेगी और स्वागत के तौर पर सोने की अंगूठी भेंट करेगी।'' इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएफ-6) के अनुसार, राज्य में हर साल लगभग 7.8 लाख प्रसव होते हैं, जिनमें से 99.9 प्रतिशत संस्थागत प्रसव (अस्पताल में होने वाला प्रसव) होते हैं। इसमें कहा गया है कि इनमें से सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में लगभग 4.2 लाख प्रसव (53 प्रतिशत) होते हैं। इसमें कहा गया है कि सरकारी अस्पतालों में प्रति प्रसव औसत खर्च (अपनी जेब से होने वाला खर्च) सिर्फ़ 1,364 रुपये है, जबकि निजी अस्पतालों में यह 63,473 रुपये है।

विजय ने 23 अप्रैल के विधानसभा चुनाव से पहले वादा किया था कि वह राज्य में पैदा होने वाले हर बच्चे को मामा के तौर पर सोने की अंगूठी तोहफ़े में देंगे। तेईस जून को जारी सरकारी आदेश में कहा गया, सरकारी चिकित्सा संस्थानों में पैदा होने वाले बच्चों के लिए एक ग्राम सोने की अंगूठी, 'थाइमामन थंगा मोथिरम थिट्टम' योजना के तहत बच्चे के जन्म की खुशी और मातृत्व के महत्व का जश्न मनाने के साथ-साथ, सराहना और याद का प्रतीक है। सरकार ने कहा कि विजय इस योजना को आधिकारिक तौर पर 15 सितंबर को पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुरई की जयंती के मौके पर शुरू करेंगे, लेकिन यह योजना 22 जून (विजय के जन्मदिन) से ही लागू मानी जाएगी। विजय ने दो साल पहले 'तमिलगा वेत्री कषगम' नामक पार्टी बनाई थी। उनकी पार्टी ने विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी पार्टी राज्य की एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी बनी जिसने 107 सीट जीतीं तथा कांग्रेस, वीसीके, आईयूएमएल तथा वामदलों के समर्थन से उसने गठबंधन सरकार बनाई। इस नई पहल (बच्चे के जन्म पर सोने की अंगूठी) के लिए हर साल लगभग 755.83 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

सरकारी आदेश में कहा गया है, तमिलनाडु में सोने का गहरा सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है। नवजात शिशु को सोना भेंट करना बच्चे के आगमन का जश्न मनाने और मां का सम्मान करने जैसा है। साथ ही, यह सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा को समुदाय के लिए गर्व का एक बड़ा स्रोत बनाता है। इसके अलावा, यह उपहार एक स्थायी संपत्ति बना रहता है और संस्था के प्रति लंबे समय तक चलने वाली अच्छी छवि बनाता है, जो लोगों के बीच बातचीत के ज़रिए फैलती है। सोने की अंगूठियां तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज़ कॉर्पोरेशन (टीएनएमएससी) के जरिए खरीदी जाएंगी।

समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा विभाग की परियोजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक 24 जून को सचिवालय में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय की अध्यक्षता में आयोजित की गई समीक्षा बैठक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा मंत्री डॉ. आर. कुमार, मुख्य सचिव डॉ. एम. साईकुमार (आईएबी), अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त), एम. ए. सिद्दीकी (आईएबी), अतिरिक्त मुख्य सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा विभाग), प्रदीप यादव (आईएबी), विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

# मुख्यमंत्री विजय ने साहित्य की दिग्गज हस्ती कन्नदासन को उनकी जयंती पर याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कवि-गीतकार 'कवियारसु' कन्नदासन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि उन्होंने तमिल साहित्य एवं फिल्म संगीत पर अमिट छाप छोड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कन्नदासन ने अपने कार्य के माध्यम से सरल तमिल भाषा में मानवीय जीवन की भावनाओं, दार्शनिक विचारों और सामाजिक जागरूकता को लोगों तक पहुंचाया तथा उनके हृदय में हमेशा के लिए अपनी जगह बना ली। विजय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कवियारसु कन्नदासन के प्रति मेरा गहरा सम्मान और नमन... उनकी रचनाएं एक साहित्यिक कोष की तरह चमकती हैं, जो युगों-युगों तक कायम रहेंगी और पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेंगी। जब तक तमिल भाषा रहेगी, कन्नदासन की ख्याति और उनकी साहित्यिक रचनाएं रहेंगी।'' कन्नदासन (24 जून, 1927 - 17 अक्टूबर, 1981) को 'कवियारसु' अर्थात् 'कवियों के राजा' के रूप में जाना जाता है। चार दशकों से अधिक लंबे अपने उत्कृष्ट लेखन करियर के दौरान, उन्होंने 5,000 से अधिक फिल्म गीत और 4,000 कविताएं, तथा लगभग 232 पुस्तकें लिखीं।

# तमिलनाडु के डीजीपी का आदेश, पुलिस अधिकारी सप्ताह में दो बार सुनें जनता की शिकायतें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** पुलिस प्रशासन को ज्यादा सुलभ और जवाबदेह बनाने की कोशिश में तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) महेश कुमार अग्रवाल ने राज्य भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे हर सप्ताह दो बार आम लोगों से मिलें और उनकी शिकायतें व्यक्तिगत रूप से सुनें। डीजीपी के आदेश के अनुसार, बुधवार और शनिवार को 'जन शिकायत निवारण दिवस' के तौर पर तय किया गया है। इन दिनों डीएसपी, एसपी, डीआईजी, आईजी और पुलिस कमिश्नर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अपने-अपने ऑफिस में मौजूद रहना होगा ताकि वे जनता की शिकायतें सुन सकें। इस आदेश का मकसद यह पक्का करना है कि शिकायतों और समस्याओं का समाधान तेजी और सही तरीके से हो। डीजीपी ने निर्देश दिया है कि अधिकारी शिकायत करने वालों से अच्छे से बात करें, उनकी परेशानियां सुनें और तय समय के अंदर ज़रूरी कार्रवाई करें। आदेश में इस बात पर जोर दिया गया है कि आम लोगों के साथ सम्मान से पेश आया जाए और बिना किसी फालतू देरी के उनकी शिकायतों को सुलझाने की कोशिश की जाए।

अधिकारियों से यह भी कहा गया है कि वे शिकायतें सुनते समय नागरिकों के प्रति दोस्ताना रवैया अपनाएं। जिन मामलों में तय अधिकारी कोर्ट में पेशी, सरकारी बैठकों, कानून-व्यवस्था की ड्यूटी या अन्य जरूरी कामों की वजह से शिकायत सुनने के सेशन में शामिल नहीं हो पाते हैं, वहां उनसे ठीक नीचे के सीनियर अधिकारी को शिकायतें सुननी चाहिए और ज़रूरी कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। इस व्यवस्था का मकसद यह है कि लोगों को लंबे समय तक इंतज़ार न करना पड़े और शिकायतों के समाधान का काम लगातार चलता रहे। डीजीपी ने यह भी निर्देश दिया है कि इन सेशन के दौरान मिली शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की जाए और उचित कार्रवाई होने तक उन पर नजर रखी जाए।

यह आदेश पुलिस विभाग की जन-सेवा को बेहतर बनाने और नागरिकों तथा कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच भरोसा मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। सीनियर अधिकारियों के साथ सीधे बातचीत के लिए एक व्यवस्थित मंच बनाकर, इस पहल से लोगों की शिकायतों का तेज़ी से समाधान होने और फोर्स के भीतर जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। डीजीपी ने यह भी कहा कि शिकायत समाधान सिस्टम को लागू करने और इस मामले में अधिकारियों के कामकाज पर राज्य पुलिस मुख्यालय बारीकी से नजर रखेगा।

# तमिलनाडु की 152 रिक्त सुपर स्पेशलिटी मेडिकल सीटों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायालय सहमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/चेन्नई।** उच्चतम न्यायालय उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए बुधवार को सहमत हो गया, जिसमें तमिलनाडु में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए रिक्त '152 इन-सर्विस' सुपर स्पेशलिटी मेडिकल सीटों को अखिल भारतीय कोटे में सौंपे जाने से रोकने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और तमिलनाडु सरकार समेत अन्य को नोटिस जारी कर तमिलनाडु मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन' की याचिका पर उनसे जवाब मांगा है। पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, अगर कोई सरकारी डॉक्टर आवश्यक कौशल हासिल कर लेता है, तो वह निजी चिकित्सक की तुलना में जनस्वास्थ्य के लिए बेहतर सेवा दे पाएगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि दाखिले के लिए 'इन-सर्विस' एक अलग श्रेणी है, क्योंकि ऐसे उम्मीदवार नौकरी और पढ़ाई दोनों कर रहे होते हैं। पीठ ने इस मामले की सुनवाई जुलाई के लिए निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने तमिलनाडु के कॉलेजों में 'इन-सर्विस' सुपर स्पेशलिटी मेडिकल पाठ्यक्रम की 152 रिक्त सीटों का ज़िक्र किया, जो शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 के लिए राज्य के लिए आरक्षित थीं। मामले में याचिकाकर्ता ने संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश दिए जाने का आग्रह किया है कि वे अखिल भारतीय कोटा 'काउंसलिंग प्रक्रिया' का दूसरा चरण पूरा होने तक 152 रिक्त मेडिकल सीटों को अखिल भारतीय कोटा में न सौंपें। तमिलनाडु विस में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने 4 जून को मुख्यमंत्री विजय से आग्रह किया था कि वह राज्य की 152 सुपर स्पेशलिटी मेडिकल सीटों को अखिल भारतीय कोटे में सौंपे जाने से रोकने के लिए कदम उठाएं।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने 24 जून को सचिवालय में तमिलनाडु सरकार के मुख्य काजी एनपी उस्मान मोहिदीन से मुलाकात की।

# तमिलनाडु ने यो महेश को सभी प्रारूपों का मुख्य कोच बनाया

**चेन्नई।** तमिलनाडु ने पूर्व हरफनमौला विजयकुमार यो महेश को बुधवार को 2026-27 घरेलू सत्र के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया।

तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) की ओर से जारी बयान के अनुसार यो महेश राज्य की लाल गेंद (रणजी ट्रॉफी) और सफेद गेंद (सैयद मुश्ताक राष्ट्रीय टी20 और 50 ओवर प्रारूप के विजय हजारे ट्रॉफी) टीमों की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने आगामी सत्र के लिए एम. सेंथिलनाथन और एम. वेंकटरमण की जगह ली है। इस 32 साल के पूर्व खिलाड़ी को लाल गेंद प्रारूप में आर. श्रीनिवासन का सहयोग मिलेगा, जबकि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में जे. हरीश उनके सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे। यो महेश ने वर्ष 2020 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 50 प्रथम श्रेणी मैचों में दो शतक की मदद से 1,119 रन बनाए और 108 विकेट भी हासिल किए।

उन्होंने 61 लिस्ट-ए मुकाबलों में 93 विकेट लिए, जबकि 46 टी20 मैचों में उनके नाम 52 विकेट दर्ज हैं। भारत ए और अंडर-19 टीम का हिस्सा रह चुके यो महेश इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) का भी हिस्सा रह चुके है।

# 'जो हमें पसंद नहीं करते, वे कभी पसंद नहीं करेंगे...' : रजनीकांत के बयान से सियासी अटकलें तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** सुपरस्टार रजनीकांत ने बुधवार को कहा कि जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वे चाहे हम कुछ भी कर लें, हमें पसंद नहीं करेंगे और जो लोग हमें पसंद करते हैं, वे हर हाल में हमारा समर्थन करते रहेंगे। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलों का दौर शुरू हो गया है और सोशल मीडिया पर भी इसकी व्यापक चर्चा हो रही है।

रजनीकांत ने यह टिप्पणी चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की, जहां उनकी 173वीं फिल्म थर्मन का टाइटल और फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया गया। हालांकि, यह कार्यक्रम फिल्म के लॉन्च के लिए आयोजित किया गया था, लेकिन आलोचना और जनधारणा को लेकर रजनीकांत की टिप्पणी ही चर्चा का मुख्य विषय बन गई। समारोह को संबोधित करते हुए रजनीकांत ने कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को अक्सर विरोधाभासी अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा, अगर हम चुप रहते हैं तो लोग पूछते हैं कि हम बोलते क्यों नहीं। जब हम बोलना शुरू करते हैं तो लोग कहते हैं कि बोलते रहिए। और जब लगातार बोलते हैं तो वही लोग कहते हैं कि चुप ही रहना चाहिए था। हमें यह समझना चाहिए कि जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वे चाहे हम कुछ भी कर लें, हमें पसंद नहीं करेंगे। वहीं जो लोग हमें पसंद करते हैं, वे हर स्थिति में हमारा समर्थन करेंगे। यह उम्मीद करना कि हर कोई हमारी सराहना करेगा, मूर्खता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ गई। कई लोगों ने इसे तमिलनाडु की हालिया राजनीतिक घटनाओं से जोड़कर देखा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री विजय की सार्वजनिक संवाद शैली और विधानसभा में दिए गए भाषणों को लेकर आलोचना हुई है। मंगलवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर विधानसभा में विजय के जवाब ने भी काफी राजनीतिक चर्चा बटोरी थी। ऐसे माहौल में रजनीकांत की टिप्पणी को कुछ लोगों ने मुख्यमंत्री के लिए अप्रत्यक्ष समर्थन या सलाह के रूप में देखा। हालांकि अन्य लोगों का कहना है कि अभिनेता केवल आलोचनाओं और सार्वजनिक जीवन के दबावों से निपटने को लेकर अपने व्यक्तिगत विचार साझा कर रहे थे। इस बयान ने विधानसभा चुनावों से पहले रजनीकांत की उस टिप्पणी की भी याद दिला दी, जिसमें उन्होंने युवाओं को फिल्मी सितारों का अंधानुकरण न करने की सलाह दी थी। उस वक्त भी उनके बयान के राजनीतिक मायने निकाले गए थे और विवाद खड़ा हुआ था।

रजनीकांत की 173वीं फिल्म, जिसे पहले थलाइवर 173 के नाम से जाना जा रहा था, का निर्देशन अश्वथ मारिमुथु करेंगे। फिल्म का निर्माण कमल हासन के बैनर राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के तहत किया जा रहा है।

# तमिलनाडु गैस रिसावः मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हुई, 68 लोग अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक एक निजी समुद्री खाद्य पदार्थ प्रसंस्करण और निर्यात इकाई में अमोनिया गैस रिसाव मामले में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है, जबकि 68 लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने बुधवार को एक बुलेटिन में यह जानकारी दी।

यह औद्योगिक रासायनिक रिसाव 21 जून को पेरियापालयम के पास कनिगैपेयर और मंजुंगरानाई इलाके में स्थित इकाई में नियमित औद्योगिक गतिविधियों के दौरान हुआ था।

मृतकों में से आठ महिलाएं ओडिशा की और दो असम की हैं।

घटना वाले दिन दो लोगों की मौत की खबर मिली, इसके बाद 22 जून को छह लोगों की और 23 व 24 जून को एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

मंगलवार को पांच पीड़ितों के शव हवाई मार्ग से ओडिशा पहुंचाए गए और बाकी पांच शवों को सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद भेजा जाएगा।

इस रिसाव से कुल 83 लोग प्रभावित हुए, जिनमें से 68 का अब भी चार अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

इनमें से ज्यादातर प्रवासी मजदूर हैं, जिनमें ओडिशा से 33, असम से 16, झारखंड से नौ, केरल से तीन, पश्चिम बंगाल से एक और तमिलनाडु से छह।

अस्पताल में भर्ती लोगों में 65 महिलाएं और तीन पुरुष हैं। पांच लोगों को छुट्टी दे दी गई है।

अस्पताल में भर्ती लोगों में 17 जीवन रक्षक सपोर्ट पर हैं, 21 को नाक के जरिए ऑक्सीजन दी जा रही है और 30 की हालत स्थिर बताई गई है।

अधिकारियों ने रिसाव का कारण पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

# कमल हासन-रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' का पहला लुक जारी, 40 साल पुराना वादा पूरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

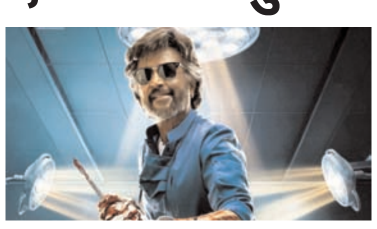

**चेन्नई।** सुपरस्टार रजनीकांत की 173वीं फिल्म का शीर्षक और पहली झलक बुधवार को फिल्म का काम आधिकारिक रूप से शुरू करने संबंधी एक समारोह एवं पूजा कार्यक्रम के दौरान जारी किया गया। तमिल सिनेमा में इसे एक 'ऐतिहासिक सहयोग' के रूप में देखा जा रहा है। यह फिल्म अभिनेता-निर्माता कमल हासन के प्रोडक्शन बैनर के तले बन रही है। इस फिल्म का नाम 'धर्मन' रखा गया है, जिसका निर्माण हासन के प्रोडक्शन हाउस 'राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल' (आरकेएफआई) और आर. महेंद्रन द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन 'ओह माई कडवुले' और 'ड्रैगन' फेम निर्देशक अश्वथ मारीमुथु कर रहे हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर तैयार कर रहे हैं। इसमें सिमरन और राशि खन्ना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस कार्यक्रम में हासन ने रजनीकांत के साथ अपनी पांच दशक लंबी दोस्ती को याद किया और उन दोनों के बीच दशकों पहले किए गए एक वादे का भी जिक्र किया। हासन ने कहा, 'लगभग 40 साल पहले, बॉम्बे की एक उड़ान के दौरान हमने यह फैसला किया था कि हम दोनों को साथ में एक फिल्म करनी चाहिए, जिसमें या तो वह निर्माता होंगे या मैं। और यह आज हकीकत बन रहा है।'

रजनीकांत ने 1970 के दशक से अब तक लगातार समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए कमल हासन का आभार जताया। उन्होंने बताया, कमल ने मुझे पूरी आज़ादी दी और कहा कि वह सब कुछ मुझ पर छोड़ देंगे तथा कहानी भी नहीं पूछेंगे। इससे मेरे ऊपर बड़ी जिम्मेदारी आ गई। निर्देशक मरिमुथु ने स्पष्ट किया कि 'धर्मन' एक मनोरंजक और पारिवारिक थ्रिलर फिल्म होगी। उन्होंने बताया कि रजनीकांत का किरदार एक डॉक्टर का है। यह कार्यक्रम में तमिल फिल्म जगत की कई प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी में आयोजित किया गया, जिनमें निर्माता कलैपुली एस. थानु और जी. के. एम. तमिल कुमारन तथा निर्देशक लिंगुसामी और आर. के. सेल्वामणि शामिल थे।

**उत्तर पश्चिम रेलवे**

**ई-निविदा सूचना (ईपीसी मोड)**

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से **उप. मुख्य बिजली इन्जीनियर (निर्माण II)** उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के अधीन निम्नलिखित कार्यों के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:- **1. कार्य का नाम:** Tender No. EL-C-EPC-TRD-JP-T01-25-26 उत्तर पश्चिमी रेलवे के जयपुर डिवीजन के जयपुर-सवाई माधोपुर खंड में 2X25 केवी एटी फीडिंग सिस्टम और एससीएडीए के लिए संबद्ध स्विचिंग पोस्टसहित 132/2X25 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफार्मर) का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **2. कार्य की अनुमानित लागत: Rs.1222037870.00 | 3. बयाना राशि जो जमा करनी है: Rs.24440800.00 | 4. निविदा प्रपत्र जमा कराने व खुलने की तारीख व समय:** 30.10.2026 Upto 15.00 Hrs., 30.10.2026 at 15.30 Hrs. **5. उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वैबसाइट का पता: www.ireps.gov.in | 915-MG/26**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 631 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण, मेट्रो फेज-2 से बदलेगी शहर की रफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशभर में बिजली-पानी सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं की सुगम उपलब्धता एवं नागरिक सेवाओं के विस्तार पर प्राथमिकता से कार्य करते हुए अंतिम छोर के व्यक्ति को राहत प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि जयपुर में परिवहन से लेकर सफाई व्यवस्था को हाईटेक करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय किए गए हैं, जिससे भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जुलाई को जयपुर मेट्रो फेज-2 का शिलान्यास करेंगे। 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत की इस मेट्रो लाइन में प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक के कार्यादेश भी जारी किए जा चुके हैं। यह परियोजना यातायात को अधिक सुगम बनाने, समय की बचत सुनिश्चित करने और राजधानी के समग्र शहरी विकास को नई गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री बुधवार को सांगानेर स्टेडियम में लगभग 631 करोड़ रुपये के 1538 विकास कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास एवं पट्टा वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार व उन्नयन होगा, जिससे क्षेत्र के आमजन को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता की सेवा और कल्याण के लिए पूर्ण रूप से संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 12 वर्षों में ऐसी कई महत्वपूर्ण पहल की है, जिनसे हमारे शहर विकास के इंजन बन रहे हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के माध्यम से शहरों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 'सभी के लिए आवास' का संकल्प पूरा हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना से जहां लाखों ठेला-रेहड़ी वालों का जीवन संवर रहा है, वहीं अमृत योजना के माध्यम से शहरों में साफ पानी, सीवरेज कनेक्शन और पार्क जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन में शौचालय सुविधाओं एवं ठोस कचरा प्रबंधन में भी अभूतपूर्व कार्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जयपुर में आधारभूत संरचनाओं को सशक्त कर आमजन के जीवन को बेहतर बना रही है। आज जयपुर-भीलवाड़ा रोड के मुहाना मोड जंक्शन पर 124 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले फ्लाईओवर, बंबाला क्षेत्र में सीवरेज कार्य के लिए 88 करोड़ रुपये से अधिक लागत से एसटीपी, पृथ्वीराज नगर में सैटेलाइट अस्पताल और भांकरोटा में ट्रोमा सेंटर के निर्माण की नींव व सांगानेर के 115 मंदिरों के सौंदर्यकरण एवं जीर्णोद्धार का शुभारंभ भी हुआ है। उन्होंने कहा कि यूनिटी मॉल, रिद्धि-सिद्धि फ्लाईओवर, सांगानेर एलिवेटेड रोड और द्रव्यवती नदी के विकास जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रगतिरत हैं। इस प्रकार राज्य सरकार 'विकास भी, विरासत भी' के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जयपुर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ शहर की सफाई व्यवस्था को हाईटेक बना रही है। प्रदेश में पहली बार जयपुर में कचरा उठाने की 5 अत्याधुनिक मैकेनिकल लिटर पिकर मशीनें लाई गई हैं, जो फुटपाथों, संकरी गलियों और ट्रांसफार्मर के नीचे से भी प्रभावी ढंग से कचरा उठाएंगी।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड का वितरण करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना ड्रोन तकनीक के माध्यम से गांवों की आवासीय भूमि का सीमांकन कर ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का कानूनी स्वामित्व प्रदान करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। अब तक 8 हजार से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण कर लगभग 14 लाख स्वामित्व कार्ड जारी किए जा चुके हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने सीवरेज सफाई के लिए सुपर सकर मशीन तथा स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के प्रति जनजागरूकता के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, सफाई सेवा मैराथन के विजेताओं को चैक वितरित किए। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद मंजू शर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

## दुकान के बाहर शराब पीने से रोकने पर गुस्साए लड़कों ने युवक की कर दी हत्या : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के सांगानेर सदर थानाक्षेत्र में मंगलवार देर रात दुकान के बाहर शराब पीने से टोकने को लेकर कुछ लड़कों ने एक युवक की कथित तौर पर धारदार हथियार और पत्थरों से वार करके हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। सांगानेर सदर थानाधिकारी अनिल जैमन ने बताया कि मृतक की पहचान गोविंदपुरा के शिक्षा सागर कॉलोनी निवासी संजू शर्मा (28) के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पड़ोस के खेत में शादी का कार्यक्रम चल रहा था। उन्होंने बताया कि रात करीब 11 बजे 6-7 लड़के संजू के भाई की किराने की दुकान के बाहर शराब पी रहे थे। उन्होंने बताया कि लड़कों को शराब पीता देख उसके भाई अभिषेक ने उन्हें टोका, इस पर लड़के वहां से चले गए, लेकिन कुछ देर बाद लड़के वापस आए और संजू के घर पर पत्थरबाजी शुरू कर दी।

थानाधिकारी ने बताया, संजू लड़कों को समझाने के लिए घर से बाहर गया था, तभी लड़कों ने उसे अकेला पाकर उसके साथ झगड़ा शुरू कर दिया और उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि पत्थर और डंडे से ताबड़तोड़ वार करके लड़के फरार हो गए। उन्होंने बताया कि संजू को बचाने गए परिवार के सदस्यों के साथ भी लड़कों ने मारपीट की, जिससे चार लोग घायल हो गए, जिनका प्राथमिक उपचार करवाया गया। अनिल ने बताया कि परिजनों ने संजू को लहूलुहान हालत में सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक के पिता कैलाश शर्मा ने हत्या का मामला दर्ज करवाया है। थानाधिकारी ने बताया कि कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने त्रिपोलिया बालाजी मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सांगानेर स्थित प्राचीन त्रिपोलिया बालाजी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने सांगानेर क्षेत्र के संघीजी जैन मंदिर और सांगा बाबा मंदिर सहित कुल 115 धार्मिक स्थलों के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार के लिए 50 करोड़ रुपये की लागत के भव्य विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## पचपदरा रिफाइनरी प्रोजेक्ट राजस्थान का ग्रोथ इंजन मोदी शीघ्र करेंगे शुभारंभ : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर पचपदरा रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों एवं एचआरआरएल प्रबंधन से रिफाइनरी की प्रगति एवं संचालन के संबंध में विस्तृत जानकारी लेते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शीघ्र ही पचपदरा रिफाइनरी का शुभारंभ करेंगे। इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी से राजस्थान देश की ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बनेगा। साथ ही, यह प्रोजेक्ट प्रदेश का ग्रोथ इंजन साबित होगा।

इस दौरान एचआरआरएल प्रबंधन ने मुख्यमंत्री की माइक्रो मॉनिटरिंग की सराहना की। उन्होंने कहा कि एचआरआरएल एवं राज्य सरकार के अधिकारियों ने टीम भावना से निरंतर कार्य किया है। मुख्यमंत्री के सतत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के फलस्वरूप कुछ ही समय के अंतराल में रिफाइनरी संचालन के लिए पुनः तैयार हो गई है। आधा दर्जन से अधिक यूनिट्स कार्य कर रही हैं और कई प्रोडक्ट्स का उत्पादन प्रारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री को एचआरआरएल प्रबंधन ने पचपदरा रिफाइनरी से निकल रहे विभिन्न प्रोडक्ट्स के सैम्पल भेंट किए। साथ ही, उन्होंने रिफाइनरी का मॉडल और इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाती हुई बुकलेट भी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया एवं एचआरआरएल प्रबंधन सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

## आरएमएससीएल के प्रबन्ध निदेशक ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल का निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड (आरएमएससीएल) के प्रबन्ध निदेशक पुखराज सेन ने बुधवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) के कॉल सेंटर का निरीक्षण कर मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना से संबंधित प्राप्त परिवादों एवं उनके निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए।

इस दौरान सेन ने विशेष रूप से ऐसे प्रकरणों की समीक्षा की जिनमें विभागीय कार्रवाई करने के बावजूद परिवादी समाधान से पूर्णतः संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी योजना है और इससे सम्बंधित प्रत्येक परिवाद का संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दवा उपलब्धता, आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए तथा संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों और अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर उनका शीघ्र समाधान किया जाए ताकि आमजन को बेहतर व समय पर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सके। प्रबन्ध निदेशक ने संपर्क पोर्टल के कॉल सेंटर से कोटपुतली-बहरोड़ के विनोद, हनुमानगढ़ के आजाद, जोधपुर के मोहम्मद उस्मान, ब्यावर के आदम, भरतपुर के महेन्द्र सहित विभिन्न जिलों के परिवादियों से बात कर दवा प्राप्ति में आई समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने परिवादियों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्यवाही कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान संपर्क पोर्टल आमजन और सरकार के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए विभिन्न विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कराकर उनके शीघ्र समाधान का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

**शिष्टाचार भेंट**

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से बुधवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह ने लोकभवन पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल बागड़े से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

## अगस्त से शुरू होंगे 5 दिवसीय फील्ड राउंड, किसानों को मिलेगा अनुभव आधारित मार्गदर्शन : अभय कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सहभागिता आधारित सिंचाई प्रबंधन को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में जल संसाधन विभाग तथा राजस्थान वाटर सेक्टर लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में जयपुर के दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में जल उपयोक्ता संगमों के क्षमता विकास एवं सशक्तीकरण के लिए कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन के साथ एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने की। इस अवसर पर मुख्य अभियंता, गुण नियंत्रण, सतर्कता एवं ईएपी, जल संसाधन विभाग व अन्य विभागीय अधिकारी, परियोजना प्रतिनिधि एवं विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे। अभय कुमार ने कहा कि जल उपयोक्ता संगम ग्रामीण समुदायों से सीधे जुड़े हुए हैं और सिंचाई प्रबंधन में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले जल उपयोक्ता संगमों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रशिक्षित कर कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन के रूप में विकसित किया जाए। इससे उनके अनुभवों का लाभ अन्य संघों तक भी पहुंच सकेगा।

उन्होंने अपने राजीविका अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों महिलाओं का सशक्त नेटवर्क तैयार हुआ, उसी प्रकार प्रदेश के अन्य जल उपयोक्ता संघो को सीआरपी मॉडल के माध्यम से सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। अभय कुमार ने कहा सिंचाई शुल्क संग्रहण, जल प्रबंधन, फसल उत्पादकता वृद्धि एवं कृषि-उद्यानिकी आधारित मूल्य संवर्धन जैसे विषयों पर सीधे संवाद स्थापित कर सकेंगे।

## राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने किया ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन

जयपुर। राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने बुधवार को डीडवाना-कुचामन जिला के नावां उपखंड की ग्राम पंचायत सोलाया में आयोजित 'ग्रामीण सेवा शिविर' का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों के कार्यों का अवलोकन किया और विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। राज्यमंत्री चौधरी ने अधिकारियों को शिविरों में आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित कर अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के निर्देश दिए।

# मंत्री किरोड़ी से जुड़े लोगों पर लगे आरोपों की हो निष्पक्ष जांच : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को राज्य मंत्री किरोड़ी लाल मीणा पर निशाना साधते हुए मांग की कि उनसे जुड़े लोगों के यहां हुई कार्रवाई में मिले धन और कथित भ्रष्टाचार की निष्पक्ष एवं गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने मातृ मृत्यु के मामलों, विभिन्न अस्पतालों में कथित नकली दवाओं के उपयोग तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में हाल में की गई प्रशासनिक कार्रवाइयों के सिलसिले में भी सवाल उठाए। डोटासरा ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि यदि मंत्री से जुड़े लोगों के पास से 2.43 करोड़ रुपये बरामद हुए हैं तो यह गंभीर सवाल खड़ा होता है कि यह राशि मंत्री द्वारा कराई गई छापेमारी के दौरान वसूली गई या फिर छापे नहीं डालने के एवज में ली गई।

उन्होंने कहा, इतनी बड़ी रकम जब्त हुई है तो यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह धन छापों के नाम पर लिया गया था या छापे नहीं करने के लिए। डोटासरा ने कहा कि स्वयं मंत्री यह स्वीकार कर चुके हैं कि उन्हें सूचना देने वाले लोग इस मामले में शामिल थे, ऐसे में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) या विशेष अभियान समूह (एसओजी) जैसी एजेंसियों से निष्पक्ष जांच कराना मंत्री की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, यदि छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो समयबद्ध जांच के आदेश दिए जाने चाहिए। तभी ईमानदारी के दावों पर विश्वास किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने यह भी सवाल उठाया कि इतनी बड़ी रकम की बरामदगी के बावजूद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों ने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि इससे संदेह पैदा होता है और पूरे मामले में पारदर्शिता आवश्यक है।

स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर डोटासरा ने कोटा, बीकानेर और जोधपुर में प्रसव के दौरान या बाद में महिलाओं के बीमार हो जाने, उनकी मौत की घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार पर लापरवाही और असंवेदनशीलता का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि अस्पतालों में नकली दवाओं और इंजेक्शनों का इस्तेमाल किया जा रहा है तथा सरकार अब तक किसी भी जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं कर सकी है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के उस कथित बयान की भी आलोचना की, जिसमें महिलाओं की प्रसव पीड़ा सहन करने की क्षमता का उल्लेख किया गया था। डोटासरा ने कहा कि 'सी-सेक्शन' (ऑपरेशन से प्रसव) जैसे चिकित्सा संबंधी निर्णय डॉक्टर लेते हैं, मंत्री नहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा कोटा और बीकानेर में विरोध प्रदर्शन किए जाने के बावजूद प्रभावित परिवारों को अब तक कोई मुआवजा नहीं मिला है। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी रहेगी और इस मुद्दे पर बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वह नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के साथ बीकानेर जाकर कार्रवाई की मांग करेंगे। सीमावर्ती क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई पर उन्होंने आरोप लगाया कि बिना उचित सत्यापन के पूजा स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है।

हालांकि उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन सभी कार्रवाइयां पारदर्शी और कानून के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हिंदू हों या मुस्लिम, लोग नाराज हैं। यदि सीमा सुरक्षा के लिए कोई योजना है तो उसे सर्वदलीय बैठक में साझा किया जाना चाहिए और सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचना चाहिए जिससे सांप्रदायिक तनाव पैदा हो। डोटासरा ने राजस्थान-हरियाणा जल समझौते को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि राज्य के हितों से समझौता किया जा रहा है। उन्होंने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में देरी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रस्तावित पाइपलाइन, जो राजस्थान के लिए बनाई जा रही है, उससे हरियाणा भी पानी ले सकता है। उन्होंने कहा, यदि ऐसी व्यवस्था को मंजूरी दी गई तो यह राजस्थान के हितों पर गंभीर आघात होगा।

अपने पुत्र और अन्य परिजनों को राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) में चयन दिलाने के लिए फर्जी ओबीसी प्रमाण पत्र हासिल करने के आरोपों पर डोटासरा ने कहा कि सरकार को स्वयं संज्ञान लेकर पूरे मामले की जांच करानी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस इन सभी मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और सरकार से जवाबदेही की मांग करती रहेगी।

श्रद्धांजलि — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दिवंगत निशानेबाज जसपाल राणा की तेरहवीं के मौके पर यहां उन्हें श्रद्धांजलि दी । देहरादून में राणा के निवास पर उनकी तस्वीर के समक्ष रक्षामंत्री ने श्रृद्धासुमन अर्पित किये । उन्होंने राणा के परिजनों को ढांढस भी बंधाया । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के अलावा उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, खजान दास और सांसद महेश शर्मा, अजय भट्ट और सुधांशु त्रिवेदी भी इस मौके पर मौजूद थे । 49 वर्ष के राणा का 11 जून को हृदय से जुड़ी दिक्कतों के कारण निधन हो गया था । उनका अंतिम संस्कार वाराणसी में 13 जून को किया गया था ।

# बिहार में शिक्षकों के तबादले के लिए नई नियमावली बनेगी, मंत्रिमंडल ने 46 प्रस्ताव मंजूर किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार सरकार ने प्रारंभिक विद्यालयों से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालयों तक के शिक्षकों, प्रधान शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों के स्थानांतरण को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और मानवीय बनाने के लिए 'बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली, 2026' बनाने का निर्णय लिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमावली अधिसूचित होने के बाद शिक्षकों का स्थानांतरण पोर्टल आधारित प्रणाली के माध्यम से निर्धारित नियमों के तहत किया जाएगा।

अधिकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह

निर्णय लिया गया। बैठक में कुल 46 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने संवाददाताओं को बताया कि नई व्यवस्था के तहत स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, दिव्यांगता, पति-पत्नी के अलग-अलग पदस्थापन, पारिवारिक परिस्थितियों तथा अन्य मानवीय आधारों को स्थानांतरण में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षिकाओं को गृह पंचायत से बाहर, लेकिन अपने प्रखंड के भीतर निकटवर्ती पंचायत में पदस्थापन का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को गृह प्रखंड से अलग, जिले के भीतर निकटवर्ती प्रखंड में स्थानांतरण की सुविधा दी जा सकेगी। चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य शिक्षकों की वास्तविक कठिनाइयों और व्यक्तिगत समस्याओं को ध्यान में रखते हुए स्थानांतरण प्रक्रिया को अधिक संवेदनशील बनाना है तथा जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, वहां आवश्यकता के अनुसार पदस्थापन कर शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के संतुलित वितरण से विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां अधिक प्रभावी होंगी और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण वातावरण मिलेगा। यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में भी सहायक होगी।

## पुलिस वाहन में नकदी गिनने का वीडियो वायरल, दो महिला समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

**मधुबनी/भाषा।** बिहार के मधुबनी जिले में ड्यूटी के दौरान पुलिस वाहन के भीतर नकदी गिनने का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद दो महिला पुलिसकर्मियों समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो में सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) सोनल कुमारी पुलिस वाहन के भीतर नकदी गिनती हुई दिखाई दे रही हैं। पुलिस के बयान के अनुसार, यह वीडियो 24 जून को सामने आया, जिसके बाद झंझारपुर अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) के नेतृत्व में इसकी जांच कराई गई। बयान के अनुसार जांच में पता चला कि वीडियो लगभग दो महीने पुराना है। तथा उसमें दिख रही महिला एएसआई सोनल कुमारी अरड़िया संग्राम थाने में तैनात हैं और फिलहाल अवकाश पर हैं।

## अरुणाचल में भारी बारिश से भूस्खलन और अचानक बाढ़ आई, 5 लोग लापता

**ईटानगर/भाषा।** अरुणाचल प्रदेश के केयी पन्योर जिले में बुधवार को मूसलाधार बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ की चपेट में आने से कम से कम पांच लोग लापता हो गए और 17 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 18 मकानों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, विभिन्न स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे बड़ी संख्या में यात्री रास्ते में ही फंस गए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन सचिव दानी सुलु ने बताया कि याजाली सर्कल के अंतर्गत पूसा के पास नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (नीपको) परियोजना कॉलोनी से लापता हुए लोगों की पहचान एलेश मराक (13), बालारी मराक (30), ताओ अंजीना (46), निर्मला गुप्ता (35) और सौरव कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान जारी है। मूसलाधार बारिश के कारण निर्माणाधीन सुरक्षा दीवार ढह गई, जिससे कॉलोनी और आसपास के निचले आवासीय क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में पानी भर गया।

# महिला आरक्षण बहाना है, आरक्षण असली निशाना है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार महिला आरक्षण लागू करने के नाम पर दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रही है, लेकिन इसके पीछे का असली मकसद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के आरक्षण को समाप्त करना है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'पीटीआई-वीडियो' को दिए साक्षात्कार में यह भी कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिला आरक्षण लागू करना चाहती है तो वह मौजूदा 543 लोकसभा सीटों में से एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर सकती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सीटों की संख्या बढ़ाने या परिसीमन की प्रक्रिया को महिला आरक्षण से जोड़ने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, तत्काल लक्ष्य परिसीमन हो सकता है, लेकिन असली निशाना आरक्षण है। 2024 के चुनाव के बाद जो घटनाक्रम सामने आए हैं, उनसे इस आशंका को और बल मिलता है। आरक्षण से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के शुरुआती वर्षों में पंडित जवाहरलाल नेहरू और बी.आर. आंबेडकर आरक्षण की व्यवस्था को संरक्षित करने के लिए संविधान संशोधन लेकर आए थे, लेकिन जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इसका विरोध किया था। रमेश ने भाजपा के इस आरोप को खारिज किया कि इस साल अप्रैल में लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ वोट करके विपक्ष ने महिला आरक्षण का विरोध किया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि विपक्ष ने केवल परिसीमन संबंधी प्रावधानों का विरोध किया था। उन्होंने कहा, महिला आरक्षण के खिलाफ किसी ने वोट नहीं किया। जिस तरीके से परिसीमन का प्रस्ताव रखा गया था, उसके विरोध में विपक्षी दल एकजुट हुए थे। उन्होंने इस बात को दोहराया कि कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि मौजूदा 543 सीटों में से एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएं और इसे अगले लोकसभा चुनाव से लागू किया जाए।

## एसआईआर प्रक्रिया सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए : झारखंड के सीईओ

**साहिबगंज/भाषा।** झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया केवल भारतीय नागरिकों के लिए है और राज्य में रहने वाले विदेशी नागरिक-चाहे वे कानूनी रूप से रह रहे हों या अवैध रूप से-मतदाता के तौर पर पंजीकरण कराने के पात्र नहीं हैं।

कुमार साहिबगंज जिले के बरहरवा और आदिवासी-बहुल सुदूर पहाड़ी ब्लॉक में थे, जहां उन्होंने मतदाता पंजीकरण अधिकारी के स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए-2) के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया।

सीईओ कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, कुमार ने कहा, झारखंड में रहने वाले विदेशी नागरिकों (चाहे वे कानूनी रूप से रह रहे हों या गैर-कानूनी तौर पर) से उम्मीद की जाती है कि वे गणना प्रपत्र को बिना हस्ताक्षर किए ही बूथ-स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को लौटा दें। उन्होंने कहा कि सभी पात्र नागरिकों के मताधिकार की रक्षा करने और सही मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए यह समीक्षा प्रक्रिया स्पष्टता के साथ और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए पूरी की जानी चाहिए। कुमार ने कहा, एसआईआर प्रक्रिया को पारदर्शी और समावेशी बनाने में बीएलए-2 की भूमिका अहम है।

# मिजोरम के मुख्यमंत्री ने जेडपीएम-राजग गठबंधन का दावा खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**आइजोल/भाषा।** मिजोरम के मुख्यमंत्री और जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा ने बुधवार को केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ किसी भी औपचारिक गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उस गठबंधन में शामिल होना पार्टी के एजेंडे में न तो कभी था और न ही अब है। उनका यह बयान ऐसे दावों के बीच आया है कि सत्ताधारी जेडपीएम औपचारिक रूप से राजग गठबंधन में शामिल हो गई है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन में लालदुहोमा ने कहा कि पार्टी केंद्र के साथ अच्छे संबंध को महत्व देती है, लेकिन राजग के साथ औपचारिक गठबंधन की तत्काल कोई आवश्यकता नहीं देखती। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेडपीएम, राष्ट्रीय नजरिए वाली एक क्षेत्रीय राजनीतिक शक्ति के तौर पर अपनी पहचान बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

लालदुहोमा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत कई राष्ट्रीय नेताओं ने पार्टी को गठबंधन में शामिल होने के लिए बार-बार न्योता दिया है, लेकिन जेडपीएम ने औपचारिक रूप से जुड़ने के बजाय सहयोगपूर्ण संबंध बनाए रखने को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार बनने के बाद जब हम पहली बार मिले तब से लेकर अब तक प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लगातार हमें अपने साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करते रहे हैं। हालांकि, हम आम तौर पर अच्छे संबंध बनाए रखते हुए यह कहकर अलग रहते हैं कि 'आइए कार्य करने के अच्छे संबंध बनाए रखें; हम व्यावहारिक रूप से आपके साथ ही हैं।' तो क्या वास्तव में अभी हमारे लिए आधिकारिक रूप से जुड़ना जरूरी है?

## प. सिक्किम में लगातार बारिश से मुख्य सड़क पर भूस्खलन, वाहनों की आवाजाही रुकी

**गंगटोक/भाषा।** भारी बारिश के कारण कई जगह भूस्खलन हुआ, जिससे बुधवार को ग्यालशिंग-लेगशिप सड़क बंद हो गई और बुरी तरह प्रभावित पश्चिम सिक्किम जिला मुख्यालय का राज्य के बाकी हिस्सों से संपर्क टूट गया।

ग्यालशिंग में सिर्फ 24 घंटे में 95.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश की वजह से भारी मात्रा में कीचड़ और बड़े-बड़े पत्थर सड़क पर आ गिरे, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। जिला मजिस्ट्रेट तेनजिंग डेनजोंग्पा ने बताया कि उन्हें भूस्खलन की सूचना मंगलवार रात नौ बजे मिली थी। उन्होंने बताया कि सबसे गंभीर भूस्खलन ग्यालशिंग कस्बे से लगभग दो किलोमीटर दूर ओमचुंग के पास हुआ। ग्यालशिंगलेगशिप सड़क अवरुद्ध होने के बाद मलबा हटाने के लिए रातभर उत्खनन मशीनें लगाई गईं, जबकि टीम कठिन परिस्थितियों में मार्ग बहाल करने में जुटी रहीं।

## ओडिशा में भ्रष्टाचार के दो अलग-अलग मामलों में दो इंजीनियर गिरफ्तार

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा सतर्कता एजेंसी ने बुधवार को भ्रष्टाचार के दो अलग-अलग मामलों में दो सरकारी इंजीनियरों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक इंजीनियर पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने जबकि दूसरे पर एक ठेकेदार से रिश्वत स्वीकार करने का आरोप है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कमांड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीएडीए), संबलपुर डिवीजन के कार्यकारी अभियंता पद्मलोचन नायक को गिरफ्तार करके विशेष न्यायाधीश, सतर्कता, संबलपुर की अदालत में पेश किया गया। बयान में कहा गया है कि उन पर अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से 119 प्रतिशत तक अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। ऐसे ही एक मामले में सतर्कता अधिकारियों ने प्रसन्न कुमार पटनायक, ग्रामीण कार्य विभाग-1, रायगड़ा के कार्यकारी अभियंता को एक ठेकेदार से दो लाख रुपये रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

## मुजफ्फरपुर में विकसित हुई कैंसर मरीज के देखभाल करने वाली मोबाइल आधारित सहायता प्रणाली

**मुजफ्फरपुर/भाषा।** बिहार के मुजफ्फरपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएच एंड आरसी) ने कैंसर सर्जरी के बाद मरीजों की देखभाल करने वाले परिजनों की सहायता के लिए 'कैंसर केयरगिवर सपोर्ट सिस्टम' (सीसीएसएस) विकसित किया है।

यह कम लागत वाली मोबाइल आधारित सहायता प्रणाली देखभालकर्ताओं को ऑपरेशन के बाद की देखभाल, पोषण, स्वच्छता, पुनर्वास तथा लक्षणों के प्रबंधन से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई है।

एचबीसीएच एंड आरसी के निदेशक कुमार प्रभाष ने कहा, सीसीएसएस जैसी पहलें देखभालकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती हैं और उन्हें आवश्यक जानकारी एवं सहयोग प्रदान करती हैं। इससे उपचार के प्रति मरीजों की प्रतिबद्धता, जीवन की गुणवत्ता तथा कैंसर उपचार के समग्र परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार की व्यवस्था अब अधिक मरीज-केंद्रित और परिवार को साथ लेकर चलने वाले दृष्टिकोण की ओर बढ़ रही है।

शोध दल की सदस्य तथा 'हेड एंड नेक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी' विभाग की मेघना कुमार ने कहा, कैंसर सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी जारी रहती है, जहां देखभालकर्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। हमारा उद्देश्य उन्हें सरल और विश्वसनीय जानकारी देकर सशक्त बनाना है, ताकि वे मरीजों की रिकवरी के दौरान आत्मविश्वास के साथ सहयोग कर सकें।

# झारखंड सरकार विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भर रही है: सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रांची/भाषा।** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भर रही है, सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत कर रही है और युवाओं को अवसर प्रदान कर रही है।

सोरेन ने यहां एक कार्यक्रम में 262 खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए नवनियुक्त अधिकारियों को पूर्ण ईमानदारी, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''आज झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई शुरुआत हुई है। चिकित्सकों, अस्पताल प्रबंधकों और वित्त प्रबंधकों की नियुक्ति अस्पताल प्रबंधन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।''

नवनियुक्त लोगों में 151 विशेषज्ञ चिकित्सक, 56 खाद्य सुरक्षा अधिकारी, 29 वरिष्ठ अस्पताल प्रबंधक और 26 वित्त प्रबंधक शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां चिकित्सक चिकित्सा उपचार प्रदान करते हैं, वहीं अस्पताल के कुशल संचालन और वित्तीय प्रबंधन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि चिकित्सक अपना अधिकतम समय मरीजों की देखभाल में लगाएं, जबकि प्रशासनिक और प्रबंधन संबंधी जिम्मेदारियां प्रशिक्षित टीमों द्वारा संभाली जाएं।

सोरेन ने कहा, ''मैं सभी नवनियुक्त अधिकारियों, चिकित्सकों और प्रबंधकों से आग्रह करता हूं कि वे याद रखें कि उन्हें जो वेतन मिलता है, वह आम नागरिकों के पैसे से आता है। हम सभी जनता के ऋणी हैं। सरकार अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और भत्तों पर खर्च करती है।''

अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अजय कुमार सिंह ने कहा कि 2024-25 और 2025-26 के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में कुल 1,373 नियुक्तियां की गईं।

## ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी ने समुद्री सुरक्षा के लिए एआई, उन्नत प्रौद्योगिकी पर जोर दिया

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को देश की तटरेखा की सुरक्षा के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि समुद्री सुरक्षा न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए, बल्कि आर्थिक विकास और समुद्र पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका के लिए भी बहुत जरूरी है।

भुवनेश्वर में बहु-एजेंसी समुद्री सुरक्षा समूह की 14वीं बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए माझी ने कहा, ''समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में एआई, मानव हस्तक्षेप रहित प्रणाली और आधुनिक निगरानी नेटवर्क का इस्तेमाल समय की जरूरत है।'' यह पहली बार है जब यह बैठक नई दिल्ली से बाहर हो रही है। उन्होंने कहा कि मछली पकड़ने वाली नौका में 'नभमित्र' ट्रांसपोंडर लगाना और 'तटीय जीवंत ग्राम कार्यक्रम' जैसी पहल समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। मुख्यमंत्री ने समुद्री सीमा सुरक्षा में लगी भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल, ओडिशा पुलिस और अन्य एजेंसियों के प्रयासों की सराहना की। माझी ने 21वीं सदी को व्यापक रूप से 'हिंद-प्रशांत सदी' बताते हुए कहा कि भारत एक बड़ी समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। यह उच्च-स्तरीय राष्ट्रीय बैठक पहली बार ओडिशा में हो रही है।

# विश्व कप, एशियाई खेलों के लिये एक ही टीम उतार सकता है भारत : हॉकी कोच मारिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने बुधवार को संकेत दिया कि आगामी विश्व कप और एशियाई खेलों के बीच महज 20 दिन का अंतर होने के बावजूद समान टीम उतारी जा सकती है ।

महिला और पुरूष हॉकी विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जायेगा जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे । ऐसी अटकलें हैं कि पुरूष वर्ग में भारत दो अलग अलग टीमें उतार सकता है लेकिन मारिन ने कहा कि वह विश्व कप के जरिये एशियाई खेलों की तैयारी करेंगे । उन्होंने पीटीआई से कहा ,'' हमने इस पर बात की है । हमें 2018 का भी अनुभव है जब यही स्थिति थी । एक टूर्नामेंट से दूसरे टूर्नामेंट की तैयारी में मदद मिल सकती है । एशियाई खेल सबसे अहम है क्योंकि यह ओलंपिक क्वालीफायर है ।'' उन्होंने कहा ,'' लेकिन 2018 विश्व कप से हमारा आत्मविश्वास बढा था और हम उसी सोच के साथ खेलेंगे । विश्व कप को एशियाई खेलों की तैयारी के लिये इस्तेमाल करना है । विश्व कप में हमारे पास 20 खिलाड़ी होंगे जबकि एशियाई खेलों में 18 सदस्यीय टीम रहेगी ।'' मारिन ने कहा कि भारतीय महिला टीम के साथ अस्थायी तौर पर काम कर रहे नीदरलैंड के ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ ताइके ताकेमा विश्व कप और एशियाई खेलों में भी रहेंगे । उन्होंने कहा ,'' वह दोनों टूर्नामेंटों में रहेंगे । उन्हें चीन की टीम के साथ काम करने का अनुभव है । वह पेनल्टी कॉर्नर अटैक, डिफेंस पर काम कर रहे हैं और डिफेंडरों का भी मार्गदर्शन कर रहे हैं ।''

## मैं खुद को हरफनमौला मानती हूं: शेफाली

**मैनचेस्टर/भाषा।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विस्फोटक सलामी बल्लेबाज शफाली वर्मा ने बुधवार को यहां कहा कि गेंदबाजी में उनकी बढ़ती भूमिका के पीछे कड़ी तैयारी और मानसिक अभ्यास है। उन्होंने बताया कि इसी मेहनत के कारण वह अब एक ऐसी हरफनमौला खिलाड़ी बन रही हैं, जो टीम के लिए अलग-अलग भूमिकाओं में योगदान दे सकती हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जानी जाने वाली शफाली वर्मा ने पिछले कुछ समय से ऑफ स्पिन गेंदबाजी से भी टीम को अहम योगदान दिया है। उन्होंने मौजूदा टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ओवर में गेंदबाजी भी की थी।

शफाली ने बांग्लादेश के खिलाफ भारत के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ऐसा नहीं है कि मैंने पहले कभी गेंदबाजी नहीं की है। जब मैं हरियाणा के लिए घरेलू क्रिकेट खेलती थी और कप्तान भी रहती थी, तब मैं हमेशा यह सोचने के लिए समय निकालती थी कि अगर मुझे भारत के लिए गेंदबाजी करने का मौका मिले तो मैं उसे कैसे अंजाम दूंगी। उन्होंने कहा कि वह अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से नहीं हिचकतीं और जब भी टीम को जरूरत होती है, वह आगे बढ़कर भूमिका निभाने के लिए तैयार रहती हैं। शफाली ने खुद को हरफनमौला करार देते हुए कहा, मैंने उन परिस्थितियों की कल्पना की है। अगर मैं किसी खास मैच स्थिति में गेंदबाजी कर रही हूं तो मुझे क्या सोचना चाहिए, यह सब मैंने पहले से तैयार किया है और मेहनत की है। इसी वजह से मैं अच्छा प्रदर्शन कर पा रही हूं।

# हरमनप्रीत को अपना नैसर्गिक खेल खेलना होगा: शिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय तेज गेंदबाज शिखा पांडे का मानना है कि महिला टी20 विश्व कप में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को विकेटों के पतन की चिंता छोड़कर स्वाभाविक आक्रामक खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रीज पर थोड़ा समय बिताने के बाद हरमनप्रीत बिल्कुल अलग स्तर की बल्लेबाज नजर आती हैं।

भारतीय टीम के लिए दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गयी है। टीम को लीग चरण में बृहस्तपिवार को बांग्लादेश और रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है।

शिखा ने 'जियोस्टार' के 'गेम प्लान' कार्यक्रम में सुझाव दिया कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव से हरमनप्रीत अपनी लय वापस पा सकती हैं। उनके अनुसार कप्तान को चौथे नंबर पर आना चाहिये जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को पांचवें स्थान पर उतारा जा सकता है। उन्होंने कहा, भारतीय मध्यक्रम में हरमनप्रीत कौर की स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है। शुरुआती विकेट जल्दी गिरता है तो यास्तिका भाटिया बल्लेबाजी के लिए आती हैं और जेमिमा चौथे

नंबर पर खेलती हैं। संभव है कि हरमनप्रीत चौथे नंबर पर आएं और जेमिमा पांचवें स्थान पर चली जाएं।'' शिखा ने कहा कि हरमनप्रीत को विकेट गिरने की चिंता छोड़कर अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हरमनप्रीत कौर लय में होती हैं तो वह पूरी तरह अलग बल्लेबाज नजर आती हैं। क्रीज पर समय बिताने के बाद वह सहजता से ड्राइव और डीप मिडविकेट के ऊपर से बड़े शॉट लगाती है। वह स्पिनरों के खिलाफ भी बेहद प्रभावी हैं। अगर वह जम जाएं तो भारत को बड़ा फायदा होगा।''

भारत की पूर्व बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने जेमिमा रोड्रिग्स को तीसरे नंबर पर ही बल्लेबाजी कराने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि किसी बल्लेबाज को स्पष्ट भूमिका देना बेहद जरूरी होता है। वेदा ने कहा, यह आत्मविश्वास की बात है। जब लगातार कुछ कम स्कोर बनते हैं तो बल्लेबाज जरूरत से ज्यादा सोचने लगता है और उसका खेल सीमित हो जाता है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच का जिक्र करते हुए कहा कि नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से साझेदारियां नहीं बन सकीं। टी20 क्रिकेट में गति बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण होता है। वेदा ने कहा, मैं अब भी जेमिमा को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहूंगी। उन्हें एक निश्चित भूमिका दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे तैयारी करना आसान हो जाता है। जब किसी खिलाड़ी से लचीला रहने को कहा जाता है, तो उसे यह समझ नहीं आता कि पहली गेंद से तैयार रहना है या तीसरे ओवर से। इससे बल्लेबाज के लिए मुश्किलें बढ़ जाती हैं।

## सुविचार

**बुराइयों को देखना और ढूंढना आसान है, लेकिन महानता उसमें है जो कांटों के बीच भी फूल देख ले।**

### दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# आक्रांताओं के नाम पर सड़कें क्यों?

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह कहकर तुष्टीकरण की राजनीति पर करारा प्रहार किया है कि किसी भी सड़क का नाम अत्याचारियों और विदेशी शासकों के नाम पर नहीं होगा। दुनिया में शायद ही कोई देश होगा, जहां उन लोगों के नाम पर सड़कें हैं, जिन्होंने कभी वहां के निवासियों पर अत्याचार किए थे। भारत में बाबर, औरंगजेब समेत कई क्रूर शासकों के नाम पर इलाकों और शहरों तक के नाम हैं। इन लोगों ने हमारे पूर्वजों के साथ कितना बुरा बर्ताव किया था! क्या यह हमें भूल जाना चाहिए? जब कभी इन आक्रांताओं के खिलाफ आवाज उठाई जाती है तो कथित बुद्धिजीवियों का एक वर्ग तुरंत मोर्चा संभाल लेता है। वे इन्हें महान समाजसुधारक और संस्कृति का उद्धारक मानते हैं। उन्होंने विदेशी आक्रांताओं के पक्ष को मजबूती देने के लिए कई कुतर्क गढ़ रखे हैं। इनसे छोटा–सा सवाल है– क्या जर्मनी में 'हिटलर पथ' हो सकता है? क्या इटली में 'मुसोलिनी मार्ग' हो सकता है? क्या ब्रिटेन में इनके नाम पर किसी इमारत का नामकरण हो सकता है? क्या फ्रांस में किसी गली को इनके नाम से संबोधित किया जा सकता है? इन सवालों का एक ही जवाब है– बिल्कुल नहीं। ये देश ऐसा कोई कदम बर्दाश्त नहीं करेंगे। फिर, भारत में क्रूर आक्रांताओं के नाम पर सड़कें क्यों हैं? उनके नाम पर शिक्षण संस्थान क्यों चल रहे हैं? क्या हम अपने देश के महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों, लेखकों, संतों, दार्शनिकों, कलाकारों के नाम पर इनका नामकरण नहीं कर सकते हैं? आजादी के दशकों बाद भी राष्ट्रीय राजधानी में जॉर्ज पंचम की प्रतिमा लगी रही। उसे देखकर ऐसा महसूस होता था कि 'यह शख्स आज भी हमें कड़ी निगाहों से देख रहा है।'

बाद में, उसे हटाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा लगाई गई। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी का बहुत बड़ा योगदान था। जब ऐसे त्यागी और तपस्वी योद्धाओं की प्रतिमाएं लगाई जाएंगी, किसी सड़क या संस्थान का नामकरण उनके नाम पर होगा तो लोगों को उनसे प्रेरणा मिलेगी। दुष्टों, आक्रांताओं और हत्यारों के नाम पर सड़कें होंगी तो इससे कैसा संदेश जाएगा? जिन्होंने भारत में विश्वविद्यालय तोड़े, मंदिरों का अपमान किया, देव प्रतिमाएं खंडित कीं, पुस्तकालयों में आग लगाई, खोपड़ियों के ढेर लगाए, उनकी सर्वत्र निंदा होनी चाहिए। दुर्भाग्य की बात है कि उनके नाम पर कई जगहों के नाम देखने को मिलते हैं। एक मशहूर अभिनेत्री ने अपने बेटे का नाम कुख्यात विदेशी आक्रांता के नाम पर रखा हुआ है। जिस शख्स की क्रूरता की कहानियों से इतिहास रक्तरंजित है, जिसने कई इलाकों में नवजात से लेकर वृद्ध तक को जिंदा नहीं छोड़ा था, उसके लिए इतना सम्मान क्यों? क्या यह हमारे पूर्वजों, योद्धाओं और असंख्य बलिदानियों का अपमान नहीं है? अक्सर यह कहा जाता है कि विदेशी आक्रांताओं ने यहां कई इमारतें बनवाईं, विकास कार्य किए, शिक्षण संस्थान खोले, विज्ञान एवं तकनीक को बढ़ावा दिया। क्या वे इमारतें बनवाने के लिए जमीन और सामान अपने साथ लेकर आए थे? उन्होंने हमारे देश में, हमारे संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए, हमारे पूर्वजों पर अत्याचार करते हुए इमारतें बनवाई थीं। अगर कोई शिक्षण संस्थान खोला, तो इसलिए, ताकि वहां से ऐसे नौजवान निकलें, जो उनके रंग में रंगे हों और साम्राज्य के लिए कभी खतरा न बनें। अगर उन्होंने विज्ञान एवं तकनीक में कुछ काम किया भी, तो अपने फायदे के लिए किया था। कई लोग कहते हैं कि 'अंग्रेज इस देश में ट्रेन और बिजली लेकर आए थे।' सवाल है– क्या उन्होंने जनकल्याण के लिए ऐसा किया था? उन्होंने इन आविष्कारों के जरिए अपनी लूट–मार को नए स्तर पर पहुंचाया था। उनके लिए जज्बाती होने की कोई जरूरत नहीं है।

## ट्वीटर टॉक

डबल इंजन सरकार के 2.5 साल में राजस्थान दोगुनी रफ़्तार से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आज सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, किसान कल्याण और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर निवेश तक हर सेक्टर में अभूतपूर्व तरक्की दिख रही है।

**–भजनलाल शर्मा**

माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज समाज के उन आम, समर्पित और प्रेरणा देने वाले लोगों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गयाजिन्होंने सालों तक बिना किसी स्वार्थ के देश और समाज की सेवा की है, लेकिन जिनके योगदान को पहले इतनी पहचान नहीं मिली थी।

**–दिया कुमारी**

राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय मदन लाल सैनी की पुण्यतिथि पर, हम उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देते हैं।ङ्गङ्गसंगठन के प्रति आपका समर्पण, मेहनत और जनसेवा की भावना हम सभी कार्यकर्ताओं को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

**–अर्जुनराम मेघवाल**

## प्रेरक प्रसंग

### अस्तित्व पहचान की युक्ति

प्रथम विश्वयुद्ध समाप्त होने के बाद यूरोप के अनेक क्षेत्रों में लाखों लोग विस्थापित हो चुके थे। सीमाएं बदल चुकी थीं, सरकारें बदल चुकी थीं, लेकिन सबसे कठिन स्थिति उन लोगों की थी जिनके पास कोई मान्य पहचान नहीं बची थी। इसी समय फ्रिडटयोफ नानसेन को अंतर्राष्ट्रीय राहत कार्यों की जिम्मेदारी मिली। एक बैठक में अधिकारियों ने उन्हें बताया कि शरणार्थियों की समस्या बहुत बड़ी है। नानसेन ने कई देशों के प्रतिनिधियों से बातचीत शुरू की। वे शिविरों में भी गए और लोगों से सीधे मिले। एक दिन उन्होंने एक वृद्ध व्यक्ति को देखा जो सीमा पार नहीं कर पा रहा था। उसके पास कोई वैध दस्तावेज़ नहीं था। नानसेन ने उससे पूछा, 'तुम्हें सबसे अधिक किस चीज़ की आवश्यकता है?' वृद्ध ने कुछ क्षण सोचा और कहा, 'मुझे भोजन चाहिए, लेकिन उससे पहले मुझे यह चाहिए कि दुनिया माने कि मैं अस्तित्व में हूं।' यह उत्तर नानसेन के मन में रह गया। इसके बाद उन्होंने ऐसे यात्रा–पत्र की व्यवस्था के लिए काम किया जिसे कई देश स्वीकार कर सकें। आगे चलकर यही व्यवस्था 'नानसेन पासपोर्ट' के रूप में प्रसिद्ध हुई और हजारों नहीं, लाखों विस्थापित लोगों को यात्रा और नए जीवन का अवसर मिला।

## सामयिक

**समय अब रस्म-अदायगी से ऊपर उठने का है। जब तक हर कोचिंग सेंटर के पास फायर एनओसी, हर व्यावसायिक इमारत के पास सही नक्शा और हर अधिकारी के पास अपनी जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ये आग के हादसे थमने वाले नहीं हैं। अब जरूरत है एक ऐसे सख्त कानून की, जहां लापरवाही की जिम्मेदारी सीधे उस क्षेत्र के अधिकारी की तय हो, न कि सिर्फ बिल्डिंग मालिक की।**

# हादसों का मंज़र, व्यवस्था की लापरवाही

**अजय कुमार**
मोबाइल : 9335566111

आचार्य चाणक्य ने सदियों पहले एक शाश्वत सत्य कहा था कि बुद्धिमान शासक वही है जो आने वाले संकट को पहले से भांप ले और उसके निराकरण का उपाय करे। लेकिन आज के 'लोकतंत्र' में जब हम लखनऊ की उस तीन मंजिला इमारत को 'लाक्षागृह' बनते देखते हैं, जहां 15 मासूम चिराग एक साथ बुझ गए, तो चाणक्य की वह सीख एक तंज की तरह चुभती है। यह महज एक हादसा नहीं है, बल्कि उस प्रशासनिक शीतनिद्रा का परिणाम है जो केवल लाशों के ढेर पर ही जागती है। लखनऊ के अलीगंज में जो हुआ, वह कोई इत्तेफाक नहीं था। यह उस जर्जर और भ्रष्ट व्यवस्था का निचोड़ है, जहां सुरक्षा मानकों को फाइलों के भीतर दफन कर दिया जाता है और भ्रष्टाचार को धरातल पर फलने–फूलने का मौका दिया जाता है।

सवाल यह नहीं है कि कोचिंग सेंटर में आग क्यों लगी, सवाल यह है कि कोचिंग सेंटर वहां क्यों चल रहा था? वर्ष 2014 में जिस इमारत का नक्शा आवासीय उपयोग के लिए पास हुआ, वह कब और कैसे एक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में तब्दील हो गई? वर्ष 2016 में जब लखनऊ विकास प्राधिकरण ने उस अवैध निर्माण को ढहाने का आदेश दिया था, तो महज दो महीने बाद वह आदेश किस 'चमत्कारिक' दबाव में रद्द कर दिया गया? इन 10 वर्षों के अंतराल में 30 इंजीनियर और जोनल अधिकारी उस क्षेत्र से गुजरे, क्या किसी की नजर उस इमारत की अवैध व्यावसायिक गतिविधि पर नहीं पड़ी? आंकड़े चीख–चीख कर कह रहे हैं कि यह लापरवाही का नहीं, बल्कि मिलीभगत का एक सुनियोजित तंत्र है। एलडीए के सूत्रों की मानें तो शहर में 30 हजार से अधिक आवासीय भूखंडों पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स खड़े हैं और इनके पीछे इंजीनियरों की एक तय 'रेट लिस्ट' काम करती है। एक चार मंजिला अवैध इमारत के निर्माण पर 20 से 25 लाख रुपये की वसूली का खेल चलता है। जब व्यवस्था ही पैसों की नींव पर टिकी हो, तो सुरक्षा की उम्मीद करना ही बेमानी है। लखनऊ का यह हादसा दिल्ली के मालवीय नगर के होटल और बिहार के निजी अस्पताल की घटनाओं की कड़वी यादें ताजा कर देता है। हर बार घटना के बाद सिस्टम का वही पुराना 'स्क्रिप्टेड' ड्रामा शुरू होता है। हादसे के अगले ही दिन प्रशासन अति–सक्रिय हो जाता है, सीलिंग की कार्रवाई होती है, अधिकारियों को सस्पेंड किया जाता है और कुछ दिनों के लिए एक खौफ का माहौल बनाया जाता है। लेकिन क्या यह समाधान है? कानपुर में 30 से अधिक बड़ी कोचिंग संस्थाओं को सील कर देना, प्रयागराज और वाराणसी में धड़ाधड़ कार्रवाई करना यह सब महज एक स्वांग है। अगर यही फुर्ती हादसे से पहले दिखाई गई होती, तो उन 15 घरों के बुझ चुके चिराग आज अपनी कक्षाओं में पढ़ रहे होते। ब्रिटिश दार्शनिक एडमंड बर्क ने सही कहा था कि समय पर सावधानी बरतना बाद में पछताने से कहीं बेहतर है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां प्रशासन 'सावधानी' के बजाय 'हादसे' के बाद 'दिखावटी कार्रवाई' को अपनी जिम्मेदारी समझता है।

इस पूरे प्रकरण की सबसे दर्दनाक कड़ी वह 'फायरमैन' का वायरल वीडियो है, जिसने व्यवस्था की चूलें हिला दी हैं। एक पढ़ा–लिखा सिपाही जब अपनी जान जोखिम में डालकर यह आरोप लगाता है कि असली दोषी बड़े अधिकारी हैं, तो सिस्टम का चेहरा और भी घिनौना हो जाता है। जब तक नीचे के कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाया जाता रहेगा और मलाई खाने वाले अधिकारी सुरक्षित रहेंगे, तब तक जवाबदेही कभी तय नहीं हो पाएगी। मुख्यमंत्री ने मिशन मोड में फायर सेफ्टी ऑडिट के निर्देश दिए हैं, जो स्वागत योग्य है, लेकिन यह ऑडिट कागजों की खानापूर्ति बनकर न रह जाए, इसकी गारंटी कौन लेगा? क्या हर अस्पताल, नर्सिंग होम और कोचिंग सेंटर का वास्तविक ऑडिट होगा, या फिर वही पुरानी परंपरा चलेगी जहां एनओसी केवल टेबल के नीचे के लेन–देन से मिल जाती है?

अवैध निर्माण की समस्या महानगरों में एक कैंसर की तरह फैल चुकी है। बेसमेंट में कोचिंग सेंटर, पार्किंग की जगह पर दुकानें और संकरी गलियों में बहुमंजिला इमारतों का जाल यह सब बिना स्थानीय निकाय, अग्निशमन विभाग और पुलिस की मिलीभगत के संभव नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ राजधानी में इस साल आग लगने की घटनाओं में 65 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद अगर हम सबक नहीं ले रहे, तो इसका अर्थ है कि हम अगली त्रासदी का निमंत्रण दे रहे हैं। किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी गगनचुंबी इमारतों से नहीं, बल्कि उस सुरक्षा चक्र से होती है जिसे वह अपने नागरिकों के लिए बुनता है। लखनऊ की आग ने साबित कर दिया है कि हमारे सुरक्षा ढांचे में कोई बुनियादी दोष है। आग सिर्फ बिजली के शॉर्ट सर्किट से नहीं लगती, यह लापरवाही की उन लपटों से भी लगती है जो सिस्टम की खामोशी से ईंधन पाती हैं।

राजनीतिक बयानबाजी अपनी जगह है। डिप्टी सीएम का यह कहना कि पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का परिणाम है, और अखिलेश यादव का यह पूछना कि भ्रष्टाचार के ऊपर आखिर कौन सी ताकत है यह सब राजनीति के खेल हैं। लेकिन इन आरोपों–प्रत्यारोपों के बीच वो 15 परिवार हमेशा के लिए सूने हो गए। जिस इमारत में आग लगी, वहां न तो आपातकालीन निकास था, न ही दमकल के आधुनिक यंत्र। यह कैसी विडंबना है कि एक तरफ 'डिजिटल इंडिया' की बात हो रही है और दूसरी तरफ हम उन बुनियादी सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित नहीं कर पा रहे जो 21वीं सदी के शहरी जीवन की अनिवार्य शर्त हैं।

समय अब रस्म–अदायगी से ऊपर उठने का है। जब तक हर कोचिंग सेंटर के पास फायर एनओसी, हर व्यावसायिक इमारत के पास सही नक्शा और हर अधिकारी के पास अपनी जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ये आग के हादसे थमने वाले नहीं हैं। अब जरूरत है एक ऐसे सख्त कानून की, जहां लापरवाही की जिम्मेदारी सीधे उस क्षेत्र के अधिकारी की तय हो, न कि सिर्फ बिल्डिंग मालिक की। जब तक हादसे की जांच सिर्फ दोषियों को खोजने तक सीमित रहेगी, तब तक हम सिर्फ एक और अगली त्रासदी का इंतजार करेंगे। लखनऊ का लाक्षागृह हमें चेतावनी दे रहा है कि अगर अब भी सिस्टम नहीं जागा, तो आने वाली राख में हमारा ही भविष्य दफन होगा। वक्त का तकाजा है कि हम शोक संवेदनाओं के लफ्जों से आगे बढ़कर, सुरक्षा के धरातल पर ठोस कार्रवाई करें, वरना इतिहास हमें केवल एक 'लापरवाह समाज' के रूप में याद रखेगा।

## नजरिया

# स्मार्टफोन संयमित उपयोग की वैश्विक जरूरत

**ललित गर्ग**
मोबाइल : 9811051133

**भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है-दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है।**

विज्ञान और तकनीक ने मानव सभ्यता को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज का युग डिजिटल युग है, जहां एक क्लिक पर पूरी दुनिया हमारी हथेली में सिमट आई है। स्मार्टफोन ने संचार, शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शासन और सामाजिक संबंधों को नई दिशा दी है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी लेकर आती है। स्मार्टफोन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह जितना बड़ा वरदान सिद्ध हुआ है, उतना ही बड़ा अभिशाप भी बनता जा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों पर इसके दुष्प्रभावों ने पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। आज विश्वभर में यह स्वीकार किया जा रहा है कि स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। दुर्भाग्यवश, विवेक और अनुशासन के अभाव में इसका नकारात्मक पक्ष अधिक मुखर हो रहा है। स्मार्टफोन की लत बच्चों और युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद, एकाकीपन, हिंसक प्रवृत्तियों, अश्लीलता, साइबर अपराध और सामाजिक विघटन का कारण बन रही है। यही कारण है कि आज केवल परंपरागत समाज और विकासशील देश ही नहीं, बल्कि विकसित देश भी इस चुनौती से निपटने के लिए कठोर कदम उठा रहे हैं।

हाल ही में भारत के हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव की पहल ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। गांव की पहचान साइबर अपराध के केंद्र के रूप में बनने लगी थी। इससे आहत होकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से स्मार्टफोन त्यागने और बेसिक फोन अपनाने का निर्णय लिया। यह केवल मोबाइल तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज की उस पीड़ा की अभिव्यक्ति है, जो तकनीक के दुरुपयोग से उत्पन्न हुई है। गांव के युवाओं का विरोध भी स्वाभाविक है, क्योंकि आज शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं स्मार्टफोन पर निर्भर हैं। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है–क्या समाधान तकनीक का बहिष्कार है या उसके विवेकपूर्ण उपयोग का संस्कार? विश्व के अनेक देशों ने इस प्रश्न पर गंभीर चिंतन आरंभ कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन, नीदरलैंड, चीन और अमेरिका जैसे देशों में बच्चों और किशोरों के स्मार्टफोन उपयोग को नियंत्रित करने की दिशा में अनेक पहलें हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने किशोरों के सोशल मीडिया उपयोग पर आयु–सीमा तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस ने स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध लागू किया है। ब्रिटेन में भी स्कूलों में मोबाइल उपयोग को सीमित करने के लिए दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के विरुद्ध मुकदमे दायर हुए हैं और उन पर भारी जुर्माने लगाए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

वास्तव में स्मार्टफोन जहां वरदान है, वहीं अभिशाप भी है। इससे ज्ञान का भंडार भी उपलब्ध है और भ्रम का संसार भी। यह शिक्षा का माध्यम भी है और अश्लीलता तथा हिंसा का प्रवेश–द्वार भी। यह रोजगार के अवसर भी देता है और साइबर अपराध की राह भी खोलता है। आज अनेक युवा रातों–रात अमीर बनने की लालसा में साइबर ठगी, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन जुआ और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे अपराधों में फंस रहे हैं।

सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील सामग्री, फेक न्यूज, नफरत और ट्रोल संस्कृति ने सामाजिक मूल्यों को गहरी चोट पहुंचाई है। सबसे अधिक चिंता का विषय बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य है। शोध बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। नींद में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद, चिंता, आत्महत्या की प्रवृत्ति और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है और डिजिटल निकटता के बावजूद भावनात्मक दूरियां बढ़ी हैं। बच्चे खेल के मैदानों से दूर होकर आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं।

विशेषतः स्मार्टफोन एक दुधारी तलवार है'। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अत्याधुनिक संचार माध्यमों ने इस चुनौती को और अधिक जटिल बना दिया है। एआई जहां शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, वहीं इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। डीपफेक वीडियो, फर्जी ऑडियो, साइबर ठगी, पहचान की चोरी, फेक न्यूज और डिजिटल ब्लैकमेल जैसे अपराधों में एआई का इस्तेमाल चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है। स्मार्टफोन इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुलभ और प्रभावी माध्यम बन गया है। एक साधारण मोबाइल फोन के माध्यम से आज कोई भी व्यक्ति एआई आधारित एप्लीकेशनों का उपयोग कर नकली तस्वीरें और वीडियो तैयार कर सकता है, भ्रामक सूचनाएं फैला सकता है या साइबर अपराधों को अंजाम दे सकता है। विशेष रूप से किशोर और युवा, जिनके पास तकनीकी कौशल तो है लेकिन नैतिक प्रशिक्षण और परिपक्वता का अभाव है, वे अनजाने में अथवा त्वरित लाभ की लालसा में ऐसे कृत्यों में संलिप्त हो सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि एआई और स्मार्टफोन के उपयोग के साथ–साथ डिजिटल नैतिकता, मानवीय मूल्यों और कानूनी जिम्मेदारियों का भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि तकनीक मानवता के विकास का साधन बने, विनाश का नहीं। इस संदर्भ में यह कथन अत्यंत प्रासंगिक है–विज्ञान बिना विवेक के विनाश का कारण बनता है, जबकि विवेक के साथ वही विज्ञान मानवता का वरदान बन जाता है।'

ऐसी स्थिति में भारत में भी व्यापक राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता है। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है और एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यदि भारत को विश्वगुरु के रूप में अपनी भूमिका निभानी है, तो उसे तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। भारत द्वारा निर्मित नीतियां न केवल देश, बल्कि विश्व के लिए भी मार्गदर्शक बन सकती हैं। इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं–पहला, बच्चों और किशोरों के लिए स्मार्टफोन उपयोग की आयु–सीमा और समय–सीमा निर्धारित की जाए। एक निश्चित आयु तक बच्चों को केवल आवश्यक और नियंत्रित डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

दूसरा, स्कूलों में साइबर साक्षरता और डिजिटल नैतिकता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग ही नहीं, बल्कि उसके दुष्परिणामों और कानूनी पहलुओं की जानकारी भी दी जानी चाहिए। तीसरा, अभिभावकों को डिजिटल पैरेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाए। बच्चों को मोबाइल थमाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं होती–उन्हें मार्गदर्शन, संवाद और संस्कार भी देने होंगे। चौथा, सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। हानिकारक और अश्लील सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण, आयु सत्यापन और एल्गोरिदम की पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। पांचवां, युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और रचनात्मक अवसरों का विस्तार किया जाए, ताकि वे त्वरित धनार्जन के प्रलोभन में अपराध की ओर न बढ़ें।

भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है–दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है। स्मार्टफोन मानव की सेवा का साधन बने, मानव का स्वामी नहीं–इसी में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का कल्याण निहित है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दर्शन

प्रसिद्ध अंबुबाची मेले के अवसर पर बुधवार को गुवाहाटी की नीलाचल पहाड़ी पर स्थित कामाख्या मंदिर में दर्शन के लिए देश भर से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

# धीरे-धीरे वापसी की राह पर चल रही हूं : अलका याग्निक

मुंबई/भाषा। मशहूर पार्श्व गायिका अलका याग्निक ने कहा कि वह 2024 में सुनने संबंधी समस्या को लेकर सुर्खियों से दूर रहने के बाद अब धीरे-धीरे इन परेशानियों से उबर रहीं हैं। वह पद्म भूषण सम्मान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी गई थीं। 'अगर तुम साथ हो' और 'एक दो तीन' जैसे कई मशहूर गीत गाने वालीं याग्निक को मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म भूषण से सम्मानित किया। लंबे समय बाद सार्वजनिक रूप से नजर आईं गायिका कमज़ोर लग रही थीं और एक सहायक की मदद से चल रही थीं।

एक दिन बाद, 60 वर्षीय गायिका ने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट लिखकर अपने दिल की बात बताई। उन्होंने बताया कि दो साल पहले एक वायरल संक्रमण की वजह से उन्हें 'सेंसरीन्यूरल नर्व हियरिंग लॉस' (कान की नस से जुड़ी सुनने की क्षमता का नुकसान) हो गया था। यह सुनने से जुड़ी एक समस्या है जो तब होती है जब कान के अंदरूनी हिस्से में मौजूद कोशिकाएं या दिमाग तक आवाज के संकेत पहुंचाने वाली श्रवण तंत्रिका को नुकसान पहुंचता है। इसके लिए आनुवंशिकता, उम्र बढ़ना, अचानक तेज आवाज के संपर्क में आना और वायरल बुखार जिम्मेदार हो सकते हैं।

याग्निक ने लिखा, ''पिछले दो सालों से मैं चर्चा और सार्वजनिक जीवन से दूर रही हूं और अपनी जिंदगी के सफर के बारे में ज्यादा कुछ साझा नहीं किया है। आपमें से कई लोग जानते थे कि मैं सेहत से जुड़ी मुश्किलों का सामना कर रही थी, और इस पूरे समय में आपका प्यार, दुआएं, संदेश और अटूट समर्थन हर कदम पर मेरे साथ रहा है।'' उन्होंने लिखा, ''आज, जब मैं देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक – प्रतिष्ठित पद्म भूषण – को ग्रहण करने के लिए निकली, तो मेरा मन कृतज्ञता से भरा हुआ था।''

बॉलीवुड की सबसे सफल पार्श्व गायिकाओं में से एक याज्ञनिक ने कहा कि इस सम्मान से वह बेहद अनुगृहीत महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''भले ही इस पर मेरा नाम हो, लेकिन यह उतना ही उन सभी सुनने वालों का भी है जिन्होंने मेरी आवाज को अपनी जिंदगी में जगह दी, मेरे गानों को पीढ़ियों तक आगे बढ़ाया और उतार-चढ़ाव व मुश्किलों के समय में मेरा साथ दिया।''

याग्निक ने कहा, ''यह पल खास तौर पर मायने रखता है क्योंकि यह न सिर्फ मेरे काम को मिली पहचान का प्रतीक है, बल्कि उस ताकत की याद भी दिलाता है जो प्यार, उम्मीद और मुश्किलों से उबरने की क्षमता से मिलती है... मैं धीरे-धीरे वापसी कर रही हूं।'' उन्होंने इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि वह वहां सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए मौजूद रहना चाहती थीं जो उनकी यात्रा का हिस्सा रहे हैं। याग्निक ने लिखा, ''इतने सालों तक आपके स्नेह, दया, प्रार्थनाओं और मुझ पर भरोसे के लिए आपका धन्यवाद। मैं इन सभी को अपने साथ संजोकर रखती हूं।

केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 'चिंतन शिविर 2026' में शामिल हुए। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य इस्पात क्षेत्र में डिजिटलाइजेशन और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना था।

# स्टॉर्मर के इस्तीफे से उठा सवाल: क्या आज के ब्रिटेन में कोई प्रधानमंत्री लंबे समय तक टिक सकता है?

एक्सेटर (ब्रिटेन)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता केअर स्टॉर्मर के इस्तीफे ने एक बार फिर यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या मौजूदा ब्रिटिश राजनीतिक व्यवस्था में कोई प्रधानमंत्री लंबे समय तक सत्ता में टिक सकता है ?

स्टॉर्मर पिछले एक दशक में पद छोड़ने वाले छठे ब्रिटिश प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने लेबर पार्टी के नेतृत्व से इस्तीफा दिया, जिसके बाद उनके प्रधानमंत्री पद से हटने का रास्ता भी साफ हो गया है।

खबरों के अनुसार, मेकरफील्ड उपचुनाव में एंडी बर्नहम की निर्णायक जीत के बाद स्टॉर्मर पर पार्टी और मंत्रिमंडल के भीतर दबाव तेजी से बढ़ गया था। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से पद पर बने रहने की बात कही थी, लेकिन अंततः बढ़ते राजनीतिक दबाव के चलते उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

विश्लेषकों का कहना है कि स्टॉर्मर ने अपने इस्तीफे की प्रक्रिया को अपेक्षाकृत व्यवस्थित रखने की कोशिश की, ताकि सत्ता हस्तांतरण हाल के वर्षों में बोरिस जॉनसन और लिज़ ट्रस जैसे प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल समाप्त होने के दौरान देखी गई राजनीतिक अव्यवस्था से अलग हो। स्टॉर्मर अत्यधिक लोकप्रिय नेता नहीं माने जाते थे। चुनाव जीतने और प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी लोकप्रियता में हल्का सुधार हुआ, लेकिन यह सुधार अस्थायी साबित हुआ। सर्वेक्षणों में उनका समर्थन स्तर मामूली बढ़त के बाद फिर स्थिरता और बाद में गिरावट की ओर चला गया।

तुलनात्मक रूप से, पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर को 1997 में सत्ता में आने के बाद भारी जनसमर्थन मिला था, जबकि 2010 में गठबंधन सरकार बनने के बाद डेविड कैमरन की लोकप्रियता में भी उछाल आया था। इसके विपरीत, स्टॉर्मर को सत्ता संभालने के बाद केवल सीमित और अस्थिर समर्थन ही मिल सका।

विश्लेषण में यह भी कहा गया है कि भारी संसदीय बहुमत होने के बावजूद स्टॉर्मर की स्थिति उतनी मजबूत नहीं थी जितनी दिखाई देती थी। इसी तरह 2019 के चुनाव के बाद बोरिस जॉनसन को भी लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाला नेता माना गया था, लेकिन वह तीन वर्ष से कुछ अधिक समय में ही पद से हट गए। स्टॉर्मर के राजनीतिक पतन की तुलना उनके पूर्ववर्ती जेरेमी कॉर्बिन के अनुभव से भी की गई है। दोनों नेताओं के समर्थन में गिरावट के पीछे समान स्थिति देखी गयी शुरुआती उम्मीदों के बाद तेजी से विश्वास में कमी।

# अक्षरा सिंह ने लिया सिद्धिविनायक और मां मुंबा देवी के दरबार में आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

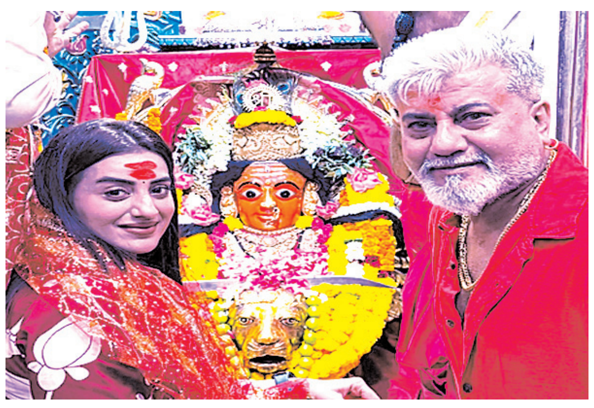

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले वह मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर और मां मुंबा देवी मंदिर में भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंची। अक्षरा सिंह ने इस खास मौके की कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इन तस्वीरों में वह भक्ति भाव से भगवान के दर्शन करती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना करती दिखाई दे रही हैं, जबकि अन्य तस्वीरों में वह अपने परिवार और करीबी लोगों के साथ नजर आ रही हैं। अक्षरा सिंह ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज का दिन सच में मुझे निशब्द कर गया... सिर्फ दिल में कृतज्ञता है। आज सपनों की राह पर खड़ी होकर सिद्धिविनायक बप्पा और मां मुंबा देवी के चरणों में शीश झुकाने का सौभाग्य मिला।'

अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा, पापा, आचार्य जी और अविनाश के साथ आशीर्वाद लेने पहुंची, तो दिल में बार-बार यही एहसास होता रहा कि जिंदगी में जो कुछ भी मिला है, वह ईश्वर की कृपा, बड़ों के आशीर्वाद और आप सबके प्यार की वजह से मिला है।

अक्षरा सिंह ने अपनी आगामी फिल्म के बारे में भी बात की। उन्होंने लिखा, आपने 'वेलकम टू द जंगल' के मेरे गाने को इतना स्नेह दिया कि वह मेरे लिए सिर्फ एक गाना नहीं, एक खूबसूरत याद बन गया। अब दिल से प्रार्थना है कि 26 जून को रिलीज हो रही फिल्म को भी आप अपना प्यार, अपना आशीर्वाद दें और सिनेमा घरों तक जाकर उसका हिस्सा बनें।

अपने पोस्ट के आखिर में अक्षरा ने एक और खुशी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। उन्होंने लिखा, ''बप्पा और मां का आशीर्वाद ही है कि आज एक और खुशी मिली 'ईठा' का टीजर भी रिलीज हुआ है, जिसका मैं भी एक हिस्सा हूं। दिल से धन्यवाद, बहुत सारा प्यार और कृतज्ञता।''

बता दें कि 'ईठा' फिल्म में श्रद्धा कपूर लीड एक्ट्रेस है। वह फिल्म में लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। इस फिल्म में रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, और यह 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# भूमि पेडनेकर दो हफ्ते के लिए बनीं 'फॉर्म गर्ल'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर हाल ही में अपने छोटे से अवकाश का भरपूर आनंद लेती नजर आईं, जहां उन्होंने प्रकृति की गोद में समय बिताया। इस दौरान वे नन्हे बकरियों के बच्चों और पूरी तरह जैविक (ऑर्गेनिक) माहौल के बीच सुकूनभरे पल बिताती दिखीं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालकर प्रकृति के बीच सुकूनभरे पल बिताए। उन्होंने दो सप्ताह एक फार्म पर गुजारे, जिसे उन्होंने अपना घर से दूर दूसरा घर बताया। भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस ग्रामीण प्रवास की कई झलकियां साझा कीं और प्रशंसकों को प्रकृति, घर में उगाए गए ताजा भोजन और फार्म के जानवरों से घिरे अपने जीवन की एक झलक दिखाई।अपने प्रवास का एक वीडियो मोंटाज साझा करते हुए भूमि ने कैप्शन में लिखा:मैं और मेईईईईन...दो हफ्ते तक एक फार्म गर्ल बनकर रही और यह अनुभव बेहद खास रहा।यह मेरा घर से दूर दूसरा घर है, जहां मैं प्रकृति और अपनी पसंदीदा चीजों से घिरी रही।पोस्ट की शुरुआत एक तस्वीर से होती है, जिसमें भूमि एक प्यारे सफेद बकरी के बच्चे को गोद में लिए हुए नजर आ रही हैं। काले रंग के एथलीजर परिधान में सजी अभिनेत्री मुस्कुराते हुए उसके साथ पोज देती दिखीं।एक अन्य वीडियो में भूमि हरे-भरे जंगल के रास्तों पर ट्रेकिंग करती दिखाई देती हैं। उन्होंने फार्म की रोज़मर्रा की गतिविधियों की भी झलक साझा की, जिनमें बगीचे से ताज़ी सब्जियां तोड़ना शामिल था। एक वीडियो में वह घर के बगीचे से पत्तेदार सब्जी तोड़कर खाना बनाने के लिए लेती हुई नजर आती हैं।अभिनेत्री ने फार्म-टू-टेबल जीवनशैली की भी झलक दिखाई। तस्वीरों में ताजी सामग्री से तैयार पौष्टिक भोजन दिखाई दिए, जिनमें रंग-बिरंगी सब्जियों के व्यंजन, सूप, पैनकेक आदि शामिल थे।

कार्य क्षेत्र की बात करें तो, बड़े पर्दे पर भूमि आखिरी बार फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में नजर आई थीं, जिसमें अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में थे।ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वह वेब सीरीज़ 'दलदल' में दिखाई दी थीं।भूमि की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स से यह भी स्पष्ट होता है कि वह इन दिनों आध्यात्मिकता और प्रकृति को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी आत्मिक यात्रा के बारे में भी बात की थी, जब उन्होंने तिब्बत के आध्यात्मिक और सांसारिक नेता, 14वें दलाई लामा से मुलाकात की।कुछ सप्ताह पहले भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर धर्मशाला यात्रा की तस्वीरें साझा की थीं, जहाँ उन्होंने दलाई लामा से मुलाकात की। उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखा: परम पूज्य दलाई लामा की उपस्थिति में सब कुछ हल्का, शांत और अवास्तविक-सा महसूस हो रहा था। वहां से निकलते ही मुझे एहसास हुआ कि मेरी आंखों से आँसू बह रहे थे। उन्होंने आगे लिखा: यह एक ऐसा एहसास है जिसे मैं पूरी तरह शब्दों में नहीं बयां कर सकती, केवल गहराई से महसूस कर सकती हूँ। मैं एक आंतरिक यात्रा पर हूं और ऐसे जादुई पल मेरे दिल को उस जीवन के लिए कृतज्ञता से भर देते हैं जो हमें मिला है। इतनी शांति, गरिमा और करुणा के क्षण का अनुभव करना मेरे लिए सचमुच एक आशीर्वाद है।

समीक्षा

मुंबई में हुई बारिश के बाद, मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने बुधवार को मानसून की तैयारियों और जलभराव से निपटने के उपायों की समीक्षा की।

# 'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर, 'पूरी तरह बदल गया शो का फॉर्मेट'

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में है। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।

एकता कपूर ने कहा, पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए। इस बार शो का डिजाइन और प्रस्तुति दोनों में बड़ा बदलाव किया गया है। अगर पुराने फॉर्मेट को ही बनाए रखा जाता, तो नए सीजन की ताजगी और नया अनुभव दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता।

गौरतलब है कि पहले सीजन में कंगना रनौत ने शो को होस्ट किया था, जबकि अभिनेता करण कुंद्रा को जेलर की भूमिका में देखा गया था। इस सीजन के विजेता कमीडियन मुनव्वर फारुकी बने थे। शो का कॉन्सेप्ट जेल-स्टाइल सेटअप पर आधारित था, जहां कंटेस्टेंट्स को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होते थे। नए सीजन की बात करें, तो इस बार शो में 14 कंटेस्टेंट्स होंगे, जिनके साथ दो जेलर भी शामिल किए जाएंगे। शो की अवधि भी तय कर दी गई है और यह लगभग 6 हफ्तों तक चलेगा। नियमों के अनुसार, कंटेस्टेंट्स को इस बार भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होंगे और उसी के आधार पर उन्हें इन-शो करेंसी और सुविधाएं मिलेंगी। नए सीजन के लिए कई नए नामों की भी घोषणा की गई है। इस बार अभिनेता राम कपूर, अभिनेत्री शिवांगी जोशी और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी पामेला सेरेना जैसे चेहरे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा इस बार शो में जेलर की भूमिका रितेश देशमुख और फराह खान निभाएंगे। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

# बागेश्वर बाबा से मिले टाइगर श्रॉफ, बालाजी पर फिल्म बनाने की योजना पर हुई चर्चा

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई के सनातन मठ में उस समय लोगों की नजरें टिक गईं जब बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने बागेश्वर बाबा से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान समाजसेवा और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर बातचीत हुई। इस दौरान बागेश्वर बाबा द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनसेवा कार्यों की जानकारी टाइगर श्रॉफ को दी गई। इनमें गरीब बेटियों के लिए प्रस्तावित कैंसर अस्पताल का निर्माण और बागेश्वर धाम में चल रही मां अन्नपूर्णा प्रसादम रसोई भंडारे जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। टाइगर श्रॉफ ने इन सभी कार्यों के बारे में ध्यान से सुना और खुले दिल से सराहना की। मुलाकात के आखिर में अभिनेता ने बागेश्वर बाबा को अंगवस्त्र भेंट किया और उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इसी दौरान एक और दिलचस्प पहलू भी सामने आया, जब अभिनेता के एक साथी ने बागेश्वर बाबा को बताया कि वह बालाजी पर एक फिल्म बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। हालांकि इस को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

वहीं, अगर टाइगर श्रॉफ के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने अपने अभिनय की शुरुआत साल 2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ कृति सेनन नजर आई थीं और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसके बाद, उन्होंने 'बागी' (2016) में दमदार एक्शन के साथ दर्शकों का ध्यान खींचा, जिसमें श्रद्धा कपूर उनके साथ नजर आई थीं। 2018 में आई 'बागी 2' उनके करियर की बड़ी हिट फिल्मों में से एक साबित हुई। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'वॉर' टाइगर श्रॉफ के करियर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर मानी जाती है, इसमें उनके साथ ऋतिक रोशन नजर आए थे। इसके अलावा, उन्होंने 'मुन्ना माइकल', 'ए फ्लाइंग जट्ट', 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2', 'गणपत', और 'बड़े मियां छोटे मियां' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

# शरवरी बोलीं, हर एक्टर का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने जो लोगों के दिलों में बस जाए

मुंबई/एजेन्सी

शरवरी बाघ ने अपनी हालिया रिलीज मैं वापस आऊंगा को मिल रहे अपार प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कहा कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके दिलों और जेहन में बनी रहे। शरवरी बाघ ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए दर्शकों की प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं, थिएटर के दृश्य और गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे।पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यार... मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं।उन्होंने कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने 'मैं वापस आऊंगा' से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।शरवरी के सह कलाकार वेदांग रैना ने भी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया। फिल्म की बात करें तो इसका निर्देशन इम्तियाज ने किया है। इस पीरियड रोमांटिक ड्रामा में नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'मैं वापस आऊंगा' की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछड़ने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे विषयों को सामने लाती है। फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल-पुथल के कारण प्रभावित होता है। कहानी नसीरुद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाई गई है।यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को फिर से साथ लाती है।

# महेश नवमी पर शोभायात्रा में बिखेरा आस्था, संस्कृति और एकता का अनुपम रंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** माहेश्वरी समाज के गौरवशाली उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के पावन अवसर पर माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित शोभायात्रा तथा धार्मिक समारोह श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण बन गया। सुबह साहूकारपेट स्थित बालाजी मंदिर (बैरागी मठ) से प्रारंभ हुई शोभायात्रा का दृश्य अत्यंत मनोहारी एवं आकर्षक था। भगवान शिव परिवार की भव्य एवं सुसज्जित झांकी, पारंपरिक वेशभूषा में सजे समाजबंधु, हाथों में ध्वज लिए युवा, भक्ति गीतों की मधुर स्वर लहरियाँ तथा हर-हर महादेव एवं जय महेश के गगनभेदी जयघोष से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। शोभायात्रा जिस मार्ग से गुजरी, वहाँ श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया तथा अनेक स्थानों पर समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था एवं श्रद्धा व्यक्त की।

लाल रंग की पारंपरिक साड़ियों में सुसज्जित महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रही। बच्चों एवं युवाओं का उत्साह देखते ही बनता था। भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए समाजबंधु पूरे मार्ग में भक्ति एवं उल्लास के साथ आगे बढ़ते रहे। अनुशासित एवं व्यवस्थित रूप से निकली यह शोभायात्रा माहेश्वरी समाज की एकता, संगठन शक्ति एवं सांस्कृतिक गौरव का जीवंत प्रतीक बन गई। शोभायात्रा के श्री माहेश्वरी भवन पहुँचने पर धार्मिक समारोह का आयोजन किया गया। पंडित कमल व्यास के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत रुद्राभिषेक एवं शिव आराधना सम्पन्न हुई। मंत्रों की दिव्य ध्वनि एवं आध्यात्मिक वातावरण ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भगवान शिव के प्रति श्रद्धा एवं भक्ति का अद्भुत वातावरण पूरे परिसर में अनुभव किया गया। इस अवसर पर आयोजित भक्ति संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं नृत्य-नाटिका की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का हृदय जीत लिया। कलाकारों ने भगवान शिव की महिमा एवं भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं का प्रभावशाली मंचन प्रस्तुत किया, जिसकी उपस्थित समाजबंधुओं ने मुक्त कंठ से सराहना की।

सभा अध्यक्ष गौरी शंकर राठी, कार्यक्रम के चेयरमैन रवीन्द्र डागा एवं अशोक गोईदानी ने कहा कि शोभायात्रा में समाजबंधुओं की भारी उपस्थिति ने माहेश्वरी समाज की एकता, संगठन शक्ति एवं धार्मिक आस्था का परिचय दिया। महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम की शोभा को कई गुना बढ़ा दिया तथा आयोजन को अभूतपूर्व सफलता प्रदान की। शिवोहम महोत्सव के चेयरमैन डॉ. अशोक जे. मूँधड़ा ने कहा कि भगवान शिव की आराधना, सेवा एवं संस्कारों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित शिवोहम महोत्सव को समाज का भरपूर सहयोग एवं स्नेह प्राप्त हुआ है।

सभा के सचिव श्री संजय मूंदड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभा के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, शिवोहम आयोजन समिति, महिला मंडल, युवा संगठन एवं स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा।

# परमात्मा का नामकरण केवल संस्कार नहीं, दिव्य गुणों और लोकमंगल का प्रतीक है : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

## पद्मनाभस्वामी प्रतिष्ठा महोत्सव के विविध आयोजन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** स्थानीय प्रिंस रत्नपुरी जैन संघ के तत्वावधान तथा आचार्य देवेश भुवनभानुसूरीश्वरजी के समुदाय के आचार्यद्वय आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी एवं हीरचंद्रसूरीश्वरजी की निश्रा में आयोजित पद्मनाभस्वामी जिनालय प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन बुधवार को भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक उमंग से ओतप्रोत विविध कार्यक्रम संपन्न हुए। आगामी चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर श्री पद्मनाभस्वामी प्रभु की गुरुवार प्रातः होने वाली अंजनशलाका प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में प्रातःकाल परमात्मा का भव्य दीक्षा वरघोड़ा निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसके पश्चात प्रियवंदा दासी द्वारा जन्म-बधाई, बुआ-भुरोसा का आगमन एवं नामकरण संस्कार, पाठशाला गमन, प्रभु का विवाह, राज्याभिषेक, राजतिलक, लोकांतिक देवों द्वारा दीक्षा की विनती तथा प्रभु की दीक्षा जैसे प्रसंगों का नाट्य मंचन अत्यंत मार्मिक, भावपूर्ण और आकर्षक शैली में प्रस्तुत किए गए। मध्याह्न में गांव सांझी, रात्रि में अधिवासना एवं अंजनशलाका विधान भी श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुए

इस पावन अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी ने कहा कि परमात्मा का नामकरण केवल एक संस्कार नहीं, बल्कि उनके दिव्य गुणों, लोकमंगलकारी व्यक्तित्व और भव्योद्धारक जीवन का प्रतीक है। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि बच्चों के नाम केवल आधुनिकता के आकर्षण में नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण और जीवनभर सार्थक रहने वाले होने चाहिए। नाम ऐसा हो, जो जीवन के हर पड़ाव पर व्यक्ति के व्यक्तित्व को गरिमा प्रदान करे।

आचार्यश्री ने प्रियवंदा दासी की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि तीर्थंकर जन्म के शुभ अवसर पर उनके द्वारा संपन्न की गई सेवाएं केवल राजकीय परंपरा नहीं, बल्कि परमात्मा के प्रति समर्पण, श्रद्धा और भक्ति की अद्वितीय अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु-नाम का स्मरण केवल उच्चारण नहीं, बल्कि उनके गुणों को जीवन में उतारने का संकल्प है।

आचार्यश्री ने जीवदया के लिए धनराशि समर्पित करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जब हम अबोध और मूक पशुओं की रक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लेते हैं, तभी प्रभु की प्रतिष्ठा का वास्तविक फल प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार इस अवसर्पिणी काल में आदिनाथ भगवान प्रथम राजा हुए, उसी प्रकार आगामी चौबीसी में श्री पद्मनाभस्वामी प्रथम राजा होंगे। नवलोकांतिक देवों की प्रभु से की गई विनती जीवकल्याण और धर्मप्रभावना की मंगलकामना का प्रतीक है। आचार्यश्री ने जानकारी दी कि रात्रि में अधिवासना एवं अंजन के उपरांत प्रतिमा साक्षात प्रभु-स्वरूप बनेगी तथा गुरुवार प्रातः 8.30 बजे श्री पद्मनाभस्वामी प्रभु की प्रतिष्ठा संपन्न होगी इसी अवसर पर धर्मसभा का आयोजन तथा नूतन दीक्षित मुनिश्री संबोधिपुण्यविजयजी की बड़ी दीक्षा भी संपन्न होगी। प्रतिष्ठा महोत्सव को सफल बनाने में प्रिंस रत्नपुरी युवा मंडल, प्रिंस रत्नपुरी महिला मंडल, कलापूर्ण जैन आराधक मंडल, समर्पण युवा ग्रुप, तहत्ति ग्रुप सहित अनेक सेवा मंडलों का सराहनीय सहयोग था।

# तीन दिवसीय जीतो स्पोर्ट्स नेशनल गेम्स में दिखा उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां जीतो स्पोर्ट्स नेशनल गेम्स 2026 की सफलता जीतो चेन्नई चैप्टर के चेयरमैन राजेश चंदन, वाइस चेयरमैन राजेश जैन, चीफ सेक्रेटरी आकाश कुमार जैन के नेतृत्व और मार्गदर्शन में संभव हुई। इसके साथ ही, समर्पित आयोजन टीम में संयोजक अजय नाहर, खेल सचिव राजेश शाह और चैप्टर सचिव सपन शाह भी शामिल थे। इस औपचारिक समारोह में कई प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें जीतो एपेक्स के उपाध्यक्ष कमलेश सोजतिया और नरेन्द्र श्रीश्रीमाल, सचिव श्रीपाल बच्छावत, सहकोषाध्यक्ष डीके जैन, जीतो स्पोर्ट्स एपेक्स के चेयरमैन विक्की ओसवाल, वाइस चेयरमैन आदित्य लोढा, और राष्ट्रीय संयोजक अमोल कुचलिया के साथ चेन्नई बोर्ड के सदस्य, प्रायोजक और समुदाय के नेता शामिल थे। आयोजन समिति ने सभी प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्य समिति के प्रमुख और योगदानकर्ता जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई, उनमें अक्षय ओस्तवाल, आशीष, अभिनंदन, अक्षय समदरिया, अर्पित, वृंदा, चिराग, दर्शिता, दीपक, हिमांशु, कैलाश, निशांत, रान शाह, साहिल और उत्सव शामिल थे। इन्हें 130 से ज़्यादा सदस्यों वाली आयोजन समिति का सहयोग मिला। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन (जीतो) एपेक्स की प्रमुख पहलों में से एक, जीतो स्पोर्ट्स नेशनल गेम्स 2026, 20-22 जून तक चेन्नई में आयोजित एक रोमांचक और प्रेरणादायक तीन-दिवसीय (दो रात) खेल आयोजन के बाद शानदार ढंग से संपन्न हुआ। हर दो साल में आयोजित होने वाले ये नेशनल गेम्स, जैन समुदाय के भीतर खेल प्रतिभाओं की पहचान करने, उन्हें निखारने और बढ़ावा देने के लिए एक अनोखा मंच प्रदान करते हैं, जिसका उद्देश्य भविष्य के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चैंपियन तैयार करना है। जीतो चेन्नई चैप्टर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे भारत के 45 चैप्टर से 500 से अधिक एथलीट शामिल हुए, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी भाईचारे और खेल भावना का माहौल बना। प्रतिभागियों ने अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-19 श्रेणियों में बैडमिंटन, लॉन टेनिस, तैराकी, एथलेटिक्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर), टेबल टेनिस, शतरंज, लंबी कूद और शॉट पुट सहित आठ खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा की। कुल 61 स्वर्ण पदक स्पर्धाओं और 183 पोडियम स्थानों के लिए मुकाबले हुए, जिनमें देश भर के युवा एथलीटों ने असाधारण प्रतिभा, अनुशासन और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया। इन खेलों ने गखढज की उस प्रतिबद्धता को और मजबूत किया जिसके तहत वह जैन युवाओं को ऐसे मंच प्रदान करता है जो खेलों में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करते हैं और एक स्वस्थ, अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देते हैं। खेलों के समापन पर, जीतो चेन्नई चैप्टर घरेलू मैदान पर ओवरऑल चैंपियन बनकर उभरा, जबकि जीतो पुणे चैप्टर ने उपविजेता स्थान हासिल किया।

# अमृता इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में दीक्षांत समारोह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** अमृता इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट ने अलगप्पा विश्वविद्यालय के सहयोग से एक भव्य समारोह में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में अलागप्पा विश्वविद्यालय के कुलपति, मानद कर्नल प्रोफेसर जी. रवि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था में आजीवन सीखने, नवाचार, नैतिक नेतृत्व और निरंतर कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर चेन्नईस अमृता और अलगप्पा विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सहयोग के तहत, बीएससी कैटरिंग और होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन होटल एडमिनिस्ट्रेशन, बीएससी लेटरल एंट्री और एमबीए इन होटल मैनेजमेंट सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 800 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गई ।

समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए चेन्नई अमृता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष आर. भूमिनाथन ने स्नातकों को बधाई दी उन्होंने अभिभावकों, संकाय सदस्यों, उद्योग भागीदारों और अलागप्पा विश्वविद्यालय को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि स्नातक की उपाधि प्राप्त करना सीखने, नेतृत्व और व्यावसायिक उत्कृष्टता की शुरुआत है। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय देश भर में मैनेजमेंट, नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में करियर-केंद्रित शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है । समारोह में संस्थान की मुख्य परिचालन अधिकारी भानुमति डीन सुरेन, मुख्य शैक्षणिक सलाहकार श्रीपॉल तथा संस्थान के अंतर्गत संचालित विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

# त्रिदिवसीय गुणी गौरव गाथा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां बुधवार को साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में त्रिदिवसीय गुणी गौरव गाथा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। गुणीजन के गुणानुवाद के अंतर्गत वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने गुजरात के नवसारी की रीटा बहन की जीवनी पर आधारित रीटा बहन जैसी होनी चाहिए। मां पर हृदयस्पर्शी रुप में भाव रखते हुए कहा कि रीटा बहन ने स्वयं आगे होकर अपने पुत्र अर्हम को पांच वर्ष व पुत्री अरिहा को छह वर्ष की वय गुरु व गुरुणी के पास ज्ञानार्जन व संयम व्रत अंगीकार करने हेतु समर्पित किया व स्वयं भी पुत्र व पुत्री के संग जैन भागवती दीक्षा लेकर वर्तमान में जिनशासन की प्रभावना कर रही है। तीनों संयमी आत्माओं की जीवनी को सुनकर उपस्थित श्रद्धा से गदगद हो गए।

श्रावक संघ, तमिलनाडु से आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि रीटा बहन की जीवनी का उनकी जीवनी की डायरी से महास्थविर शांतिमुनि ने अनुवाद करते हुए पुस्तक का रुप दिया है, उनके गुणानुवाद रुप में त्रिदिवसीय गौरव गाथा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। त्रिदिवसीय गुणी गौरव गाथा कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वाध्यायी गण लीलमचन्द महावीरचन्द ज्ञानचन्द बागमार बाबू धनपतराज अभय सहज सुराणा उच्छबराज गांग, सुरेश कोठारी,रोहित चौधरी पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, इंदरचंद कर्णावट, राजेश लुणावत, रुपराज सेठिया, महावीरचन्द छाजेड़ श्रावक संघ के उपाध्यक्ष गौतमचन्द मुणोत, श्राविका मण्डल तमिलनाडु की अध्यक्ष शशि कांकरिया, तरुणा चौधरी, झीनल छाजेड़, लीलादेवी ओस्तवाल, पुष्पादेवी कोठारी, युवक परिषद् तमिलनाडु के शाखा प्रमुख सन्दीप ओस्तवाल सहित श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व पदाधिकारी गण की सामायिक परिवेश में प्रमोदजन्य उपस्थिति रही। सन्दीप ओस्तवाल ने त्रिसूत्र जीवन चिन्तन, कमल चोरडिया ने मनोरथ चिन्तन, महावीर बागमार ने प्रत्याख्यान, गौतमचन्द मुणोत ने गुरु सुखसाता पृच्छा पाठ व आर नरेन्द्र कांकरिया ने मंगल पाठ किया। तीर्थंकरों आचार्यों उपाध्यायों संयमी आत्माओं की जयजय कार संग त्रिदिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

# लायंस चिन्मया मेडिकल सेंटर के नवीनीकृत एवं नवनिर्मित अस्पताल का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** लायंस क्लब ऑफ मीनमबाक्कम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पिछले 35 वर्षों से संचालित लायंस चिन्मया मेडिकल सेंटर के नवीनीकृत अस्पताल एवं नवनिर्मित अस्पताल भवन का उद्घाटन विरुगम्बाक्कम स्थित परिसर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर लायंस सदस्यों, चिकित्सकों, दानदाताओं एवं समाजसेवियों की उपस्थिति थी। नवीनीकृत पुराने भवन का उद्घाटन सुचित्रा बालाजी एवं बीएन गुप्ता ने किया, जबकि नवनिर्मित भवन का उद्घाटन सुचित्रा बालाजी एवं उमेदसिंह बोकरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ, जिसके पश्चात अतिथियों एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया।

ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि विस्तारित एवं आधुनिक सुविधाओं से मेडिकल सेंटर में आने वाले मरीजों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर चिन्मया मिशन, लालिथाम्बिगई मेडिकल कॉलेज, मीनाक्षी डेंटल कॉलेज तथा बिलरोथ हॉस्पिटल के सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया।

समारोह में मैनेजिंग ट्रस्टी ए. बालाजी, सचिव अशोक एसएल, कोषाध्यक्ष सुरेश जैन, वीएन हरिनाथ, प्रोजेक्ट फंड रेजिंग चेयरमैन किशोर पी. जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। वक्ताओं ने कहा कि मानव सेवा ही सर्वोच्च सेवा है।

# जन्म से भी अधिक महत्वपूर्ण है संयम ग्रहण करना : डॉ. पदमचंद्रमुनि

**बेंगलूरु।** श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ, बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में पुष्कर आराधना केंद्र में आयोजित आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी का 66 वां एवं डॉ. पदमचंद्रमुनिजी का 39वां दीक्षा दिवस समारोह मनाया गया। इस मौके पर डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने कहा कि माँ की कुक्षि से जन्म लेने वाला जन्म-मरण के दुखों को मिटाएगा या नहीं यह आवश्यक नहीं है। किन्तु गुरु मुख से संयम स्वीकार कर सम्यक ज्ञान, दर्शन, चारित्र की आराधना करने वालों को संसार की भव यात्रा से विराम मिल जाता है। आचार्य पार्श्वचंद्र ने अपनी सुदीर्घ संयम पर्याय में अनेकों विशिष्ट साधनाएँ सिद्ध की। वे वचन सिद्ध साधक हैं, कम बोलते हैं परन्तु सटीक कहते हैं। ङ्गजयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि खेलने कूदने मौज करने की उम्र में आचार्य पार्श्वचंद्रजी ने संयम स्वीकार कर संसार से अनासक्ति का आदर्श प्रस्तुत किया। आध्यात्मिक, वैज्ञानिक अथवा व्यावहारिक हर क्षेत्र का उन्हें ज्ञान हैं। उनकी जिह्वा पर मनो सरस्वती का वास है। जयकलशमुनिजी एवं जयसुबोधमुनिजी ने गीत द्वारा वातावरण को श्रद्धामय बना दिया। जयपुरंदरमुनिजी मनुष्य भव, जिनवाणी श्रवण, वीतराग वचनों पर श्रद्धा और संयम में पराक्रम को अत्यंत दुर्लभ बताते हुए कहा कि गुरु पारस के सानिध्य में साधक का जीवन धन्य हो जाता है। उन्होंने कहा कि पारसमणि तो संपर्क में आने वाले को सोना कर देता है लेकिन गुरु तो शिष्य को अपने समान बना देते हैं। जयसंयतमुनिजी, समणी प्रमुखा श्रीनिधिजी, समणीनिदेशिका श्रुतनिधिजी, समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधिजी, सुगमनिधिजी, सुधननिधिजी, सुयोगनिधिजी की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुमुक्षु अभिषेक चोपड़ा के परिवारजनों ने दीक्षा आज्ञा पत्र आचार्य पार्श्वचंद्रजी को समर्पित किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.